twitter.com/divyadelhi | facebook.com/divyadelhi | infodivyadelhi@gmail.com | Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

In Just 500 ₹
Get
Video AD +2 Days Free Marketing
media
social
Advertise On Leading News Channel
9891255609
9354173558
9891221238

DD
दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शनिवार, 21 जून, 2025 | वर्ष: 12 अंक: 217, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर मई में 0.7 फीसदी पर

नई दिल्ली/एजेंसी
देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योग की वृद्धि दर मई में घटकर 0.7 फीसदी रह गई है, जो पिछले नौ महीनों में सबसे कम है। पिछले साल इसी अवधि में यह 6.9 फीसदी रही थी। हालांकि, इस दौरान सीमेंट, स्टील, कोयला और रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन सकारात्मक रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक इस साल अप्रैल में इन प्रमुख बुनियादी उद्योग के उत्पादन में 1 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी। इन उद्योगों में पिछली सबसे कम वृद्धि दर अगस्त, 2024 में दर्ज की गई थी, जब इन ढांचागत क्षेत्रों के उत्पादन में 1.5 फीसदी की गिरावट आई थी। आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान सीमेंट, स्टील, कोयला और रिफाइनरी उत्पादों में सकारात्मक वृद्धि देखी गई। हालांकि, मई के दौरान सीमेंट, स्टील, कोयला और रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन सकारात्मक रहा। चार प्रमुख क्षेत्रों कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, उर्वरक और बिजली के उत्पादन में गिरावट रही है। इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहले दो महीनों (अप्रैल-मई) में आठ प्रमुख क्षेत्रों में कुल 0.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि में 6.9 फीसदी के मुकाबले कम है। देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों यानी कोर सेक्टर का 40.27 फीसदी भार होता है।

आतंकवाद खत्म होगा, ये मोदी की गारंटी है: प्रधानमंत्री

हमने हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया: पीएम

भुवनेश्वर/एजेंसी
पीएम मोदी ने शुक्रवार को भुवनेश्वर में कहा कि ओडिशा में डबल इंजन सरकार से लोगों को डबल बेनिफिट मिल रहा है। आज के दिन ओडिशा में भाजपा सरकार एक साल पूरे कर लिए हैं। यह सिर्फ सरकार की एनिवर्सिरी नही है। यह एक स्थापित सरकार की एनिवर्सिरी है। गुडगवर्नेंस की एनिवर्सिरी है। मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का जिक्र किया। उन्होंने कहा- 2 दिन पहले मैं जी-7 में हिस्सा लेने कनाडा गया था। राष्ट्रपति ट्रम्प ने फोन किया और खाने के लिए बुलाया। मैंने उन्हें नम्रतापूर्वक मना किया और कहा कि मेरा महाप्रभु की धरती पर जाना जरूरी है। महाप्रभु की भक्ति और आपके प्यार में मैं यहां चला आया। इससे पहले पीएम ने ओडिशा में भाजपा सरकार के एक साल पूरा होने पर 2036 तक विकसित ओडिशा और 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए विजन डॉक्यूमेंट्स जारी किया। इससे पहले उन्होंने एयरपोर्ट से जनता मैदान तक रोड शो किया। 'पहले ओडिशा के किसानों को किसान सम्मान निधि का पूरा लाभ नहीं मिल पाता था। जब ओडिशा के किसानों को केंद्र और राज्य दोनों का डबल लाभ मिलना शुरू हो गया है। धान का अधिक मूल्य देने की गारंटी दी है, उसका लाखों किसानों को लाभ मिला है। पहले कई योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पाता था, आज केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की योजनाओं का फायदा लोगों को मिल रहा है।' 'हमारी सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि वंचितों के सशक्तिकरण की रही है। ओडिशा में जनजातीय समाज रहता है। अतीत में उसे निरंतर उपेक्षा मिली। उनके हिस्से पिछड़ापन, गरीबी, अभाव आया। जिस पार्टी ने लंबे समय तक देश में शासन किया, उसने आदिवासियों को अपनी राजनीति के लिए इस्तेमाल किया। उन लोगों ने आदिवासी समाज को न विकास दिया न भागीदारी दी। नक्सलवाद और हिंसा की आग में धकेल दिया।' 'आदिवासी क्षेत्र नक्सलवाद की चपेट में था। रेड कॉरिडोर के नाम पर बदनामी मिल रही थी। हमने आदिवासी समाज को हिंसा से निकालकर विकास के रास्ते पर ले जाने का काम किया है। एक तरफ हमने हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया, दूसरी तरफ आदिवासी क्षेत्रों में विकास की गंगा बहाई। आज देश में 20 से कम जिलों में नक्सली बचे हैं।

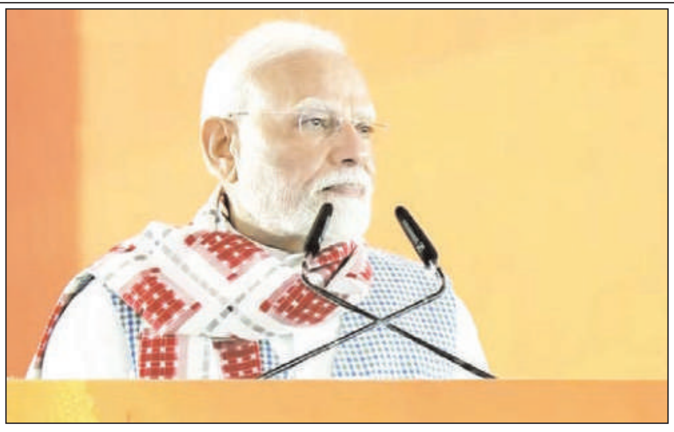

आदिवासियों में भी अति पिछड़ी आदिवासी की मदद के लिए काम हो रहा: मोदी

एक तरफ हमने हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया, दूसरी तरफ आदिवासी क्षेत्रों में विकास की गंगा बहाई। आज देश में 20 से कम जिलों में नक्सली बचे हैं। जिस तेजी से कार्रवाई हो रही है, उससे बहुत जल्द आदिवासी समाज को मुक्ति मिलेगी, आतंकवाद खत्म होगा, ये मोदी की गारंटी है।' 'देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति, ओडिशा की बेटी मुर्मू जी ने इस योजना के लिए मार्गदर्शन दिया है। इसके तहत आदिवासियों में भी अति पिछड़ी आदिवासी की मदद के लिए काम हो रहा है। मछुआरों के लिए पहली बार पीएम मत्स्य संपदा योजना बनाई गई है। ये देश व्यापी है।

एक साल में पीएम मोदी का छठा ओडिशा दौरा

राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद पीएम मोदी का एक साल में यह छठा ओडिशा दौरा है। पीएम 12 जून को शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। 17 सितंबर को पीएम मोदी ने ओडिशा में सुभद्रा योजना लॉन्च की। 29 नवंबर को प्रधानमंत्री ने ओडिशा में पुलिस महानिदेशकों और पुलिस महानिरीक्षकों के अखिल भारतीय सम्मेलन में हिस्सा लिया।

8 जनवरी को भुवनेश्वर में प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का शुभारंभ किया। इसके बाद 27 जनवरी 2025 को पीएम मोदी ने उत्कर्ष ओडिशा-मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव में हिस्सा लिया।

ओडिशा विधानसभा में पहली बार भाजपा को बहुमत
ओडिशा विधानसभा चुनाव 2025 में भाजपा ने पहली बार बहुमत के साथ जीत हासिल की थी।
राज्य की 147 सीटों में से भाजपा को 78 सीटें मिलीं। वहीं, नवीन पटनायक की बीजू जनता दल को 51, कांग्रेस को 14, को 1 और अन्य को 3 सीटों पर जीत मिली थीं।

आदिवासी समाज को विकास के रास्ते पर ले जाने का काम किया

धान का अधिक मूल्य देने की गारंटी दी है, उसका लाखों किसानों को लाभ मिला है। पहले कई योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पाता था, आज केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की योजनाओं का फायदा लोगों को मिल रहा है।' 'हमारी सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि वंचितों के सशक्तिकरण की रही है। ओडिशा में जनजातीय समाज रहता है। अतीत में उसे निरंतर उपेक्षा मिली। उनके हिस्से पिछड़ापन, गरीबी, अभाव आया। जिस पार्टी ने लंबे समय तक देश में शासन किया, उसने आदिवासियों को अपनी राजनीति के लिए इस्तेमाल किया। उन लोगों ने आदिवासी समाज को न विकास दिया न भागीदारी दी। नक्सलवाद और हिंसा की आग में धकेल दिया।' 'आदिवासी क्षेत्र नक्सलवाद की चपेट में था। रेड कॉरिडोर के नाम पर बदनामी मिल रही थी। हमने आदिवासी समाज को हिंसा से निकालकर विकास के रास्ते पर ले जाने का काम किया है। एक तरफ हमने हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया, दूसरी तरफ आदिवासी क्षेत्रों में विकास की गंगा बहाई। आज देश में 20 से कम जिलों में नक्सली बचे हैं। जिस तेजी से कार्रवाई हो रही है, उससे बहुत जल्द आदिवासी समाज को मुक्ति मिलेगी, आतंकवाद खत्म होगा, ये मोदी की गारंटी है।' 'देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति, ओडिशा की बेटी मुर्मू जी ने इस योजना के लिए मार्गदर्शन दिया है। इसके तहत आदिवासियों में भी अति पिछड़ी आदिवासी की मदद के लिए काम हो रहा है। मछुआरों के लिए पहली बार पीएम मत्स्य संपदा योजना बनाई गई है।

चिटफंड कंपनी देशराज निधि 50 लाख से अधिक का रकम लेकर हुयी फरार

अररिया/एजेंसी
फारबिसगंज के कोठीहाट चौक पर देशराज निधि लिमिटेड के नाम से संचालित चिटफंड कंपनी दो सौ से अधिक खाताधारियों के 50 लाख से अधिक की राशि लेकर फरार हो गया। एजेंट और खाताधारियों द्वारा भुगतान करने के दवाब के बाद कोठीहाट चौक स्थित कार्यालय को बंद कर प्रबंधक समेत अन्य कर्मचारी फरार हो गए हैं।जिसको लेकर शुक्रवार को देशराज निधि के एजेंट और खाताधारियों ने विधायक विद्यासागर केशरी उर्फ मंचन केशरी के पास पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। देशराज निधि लिमिटेड के प्रबंधक के रूप में सुल्तान पोखर निवासी राधानंद सिंह के पुत्र मनीष सिंह थे,वे भी फरार हो चुके हैं।

आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय: धनखड़

नई दिल्ली/एजेंसी
उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए 25 जून 1975 को लगे आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला दिन बताया। उन्होंने कहा कि यह दिन अब संविधान हत्या दिवस के रूप में याद किया जाना चाहिए, जिससे भावी पीढ़ी लोकतांत्रिक मूल्यों की अहमियत समझ सके। उपराष्ट्रपति ने कहा कि 1975 में 25 जून की मध्य रात्रि को तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कहने पर

देश में आपातकाल की घोषणा की थी। यह संविधान का स्पष्ट उल्लंघन था क्योंकि राष्ट्रपति केवल प्रधानमंत्री के नहीं, बल्कि मंत्रिपरिषद के परामर्श से निर्णय लेते हैं। धनखड़ ने बताया कि आपातकाल के दौरान एक लाख से अधिक नागरिकों को कुछ घंटों में गिरफ्तार कर जेलों में डाल दिया गया था। इनमें कई ऐसे लोग थे, जो आगे चलकर देश के प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यपाल, वैज्ञानिक और प्रशासनिक अधिकारी बने। उपराष्ट्रपति ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नौ उच्च न्यायालयों के फैसले को पलटने की आलोचना करते हुए कहा कि यह भारतीय न्यायपालिका के इतिहास का सबसे काला निर्णय था। इस निर्णय ने तानाशाही, अधिनायकवाद और निरंकुशता को वैधता दी। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि कैसे उस समय प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला हुआ और कई प्रतिष्ठित अखबारों को खाली संपादकीय पेज प्रकाशित करने पड़े।

आज का युग विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है : मुर्मु

देहरादून/एजेंसी
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपना जन्मदिन शुक्रवार को राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, देहरादून में बच्चों के साथ मनाकर एक भावुक और प्रेरणादायक मिसाल पेश की। इस मौके पर उन्होंने दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए विज्ञान, तकनीक और समावेशिता को जरूरी बताया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि आज का युग विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है। उन्नत प्रौद्योगिकी की मदद से दिव्यांग भी मुख्यधारा में अपना योगदान दे सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि किसी देश या समाज की प्रगति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उस

समाज में लोग दिव्यांग व्यक्तियों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। भारत का इतिहास संवेदनशीलता और समावेशिता की प्रेरक घटनाओं से भरा है। हमारी संस्कृति और सभ्यता में मानवीय करुणा और प्रेम के तत्व हमेशा मौजूद रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुगम्य भारत अभियान एक सुलभ भौतिक वातावरण, परिवहन, सूचना और संचार पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर जोर देता है, सरकार दिव्यांग सशक्तिकरण और समान भागीदारी के लिए प्रयास कर रही है। राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान की समावेशी शिक्षा प्रणाली और नवीनतम तकनीकी संसाधनों के माध्यम से छात्रों के सर्वांगीण विकास पर किए जा रहे कार्य की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि समाज को जीवन के हर क्षेत्र में दिव्यांग व्यक्तियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रयास करने चाहिए। इस दौरान राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान के छात्रों से बातचीत की और मॉडल स्कूल विज्ञान प्रयोगशाला और कंप्यूटर प्रयोगशाला के साथ-साथ एक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।
राष्ट्रपति निकेतन और तपोवन का उद्घाटनःइससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति निकेतन, राष्ट्रपति तपोवन, कैफेटेरिया, स्मारिका दुकान और आगंतुक सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया।

राजनाथ सिंह एससीओ की मीटिंग में हिस्सा लेने चीन जाएंगे

7 साल बाद किसी भारतीय मंत्री का दौरा

नई दिल्ली/बीजिंग/एजेंसी
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 25 से 27 जून तक चीन के किंगदाओ शहर में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन की रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। इस बैठक में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भी शामिल होंगे। यह किसी भी भारतीय मंत्री का 7 साल बाद चीन का दौरा होगा। इससे पहले अप्रैल 2018 में उस समय की विदेश मंत्री सुषमा स्वराज गई थीं। यह दौरा ऐसे वक्त में हो रहा है जब भारत और चीन के बीच रिश्ते सामान्य करने की कोशिशें चल रही हैं।

व्यापार, यात्रा और संवाद फिर से शुरू हो चुके हैं
कैलाश मानसरोवर यात्रा चालू है और डेपसांग और डेमचोक में गश्त की जानकारी भी सामने आई है। राजनाथ सिंह की मुलाकात चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून से द्विपक्षीय वार्ता के तौर पर भी होगी। इस दौरान दोनों देशों के बीच वीजा नीति, कैलाश यात्रा, जल आंकड़ों का साझा करना और हवाई संपर्क बहाल करने जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हो सकती है। दोनों नेताओं की पिछली मुलाकात लाओस में

अउद्ध्ट-प्लस शिखर सम्मेलन में हुई थी, जो सीमा विवाद के बाद पहली सीधी बातचीत थी।

दिसंबर 2024 में पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद पर समझौता हुआ
भारत-चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में 2020 से सीमा विवाद को लेकर तनाव था। दो साल की लंबी बातचीत के बाद दिसंबर 2024 एक समझौता हुआ है। इसमें तय हुआ कि दोनों सेनाएं विवादित पॉइंट्स देपसांग और डेमचोक से पीछे हटेंगी।

18 अक्टूबर: देपसांग और डेमचोक से पीछे हटने की जानकारी सामने आई थी। इसमें बताया गया था कि यहां से दोनों सेनाएं अप्रैल 2020 से पहली की स्थिति में वापस लौटेंगी। साथ ही उन्हीं क्षेत्रों में गश्त करेंगी, जहां अप्रैल 2020 से पहले किया करती थीं। इसके अलावा कमांडर लेवल मीटिंग होती रहेगी। 2020 में भारत-चीन के बाद से देपसांग और डेमचोक में तनाव बना हुआ था।

चारधाम यात्रा में हेलीकॉप्टर हादसों पर हाईकोर्ट सख्त, मांगा जवाब

नैनीताल/एजेंसी
हाईकोर्ट ने चारधाम यात्रा के दौरान बार-बार हो रहे हेलीकॉप्टर हादसों का स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से स्पष्ट जवाब तलब किया है। मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र और न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट ने सरकार से मौखिक रूप से पूछा कि आखिर हर वर्ष हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं क्यों हो रही हैं। इनमें क्या खामियां हैं या इनके लिए जिम्मेदार कौन हैं। कोर्ट ने इस मामले में सरकार को

हेलीकॉप्टर सेवाओं के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने को ठोस नीति बनाने के निर्देश दिए हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि केदार घाटी, उच्च हिमालयी क्षेत्र है। यहां मौसम अचानक बदलता रहता है। ऐसे में एविएशन कंपनियों को पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों के मौसम और कोहरे की जानकारी होना अनिवार्य है। कोर्ट ने कहा कि बारिश के बाद ये क्षेत्र प्रायः शुष्क हो जाते हैं, जिससे उड़ान में विशेष सावधानी की जरूरत होती है। सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चार धाम यात्रा रूट पर हेलीकॉप्टर सेवाओं पर अस्थाई रूप से रोक लगाने का निर्णय लिया गया। हाईकोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया है कि वह हेलीकॉप्टर सेवाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस नीति बनाए, जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

आयोग ने शुरू किया यूपीएससी प्रतिभा सेतु

नई दिल्ली/एजेंसी
यूपीएससी ने अंतिम मेरिट सूची में जगह बनाने से चूक जाने वाले उम्मीदवारों के हित को ध्यान में रखते हुए 'प्रतिभा सेतु' योजना शुरू की है। इसके माध्मय से आयोग ऐसे उम्मीदवारों को नौकरी दिलाने में मदद करेगा, जो यूपीएससी की परीक्षा के सभी पड़ावों में शामिल होते हैं, लेकिन अंतिम मेरिट में जगह नहीं बना पाते हैं। आयोग ने एक आधिकारिक नोट में कहा कि प्रतिभा सेतु सत्यापित नियोक्ताओं-मंत्रालयों, सार्वजनिक उपक्रमों, स्वायत्त निकायों और निजी संगठनों को गैर-अनुशंसित उम्मीदवारों का चयन करने के लिए एक प्लेटफार्म मुहैया करता है, जो अनुशंसित उम्मीदवारों के समान ही मेधावी होते हैं। यूपीएससी उम्मीदवारों को परीक्षा से परे चमकने के लिए दूसरा प्रवेश द्वार प्रदान करता है। योजना के तहत सरकार और निजी कंपनियों को उन प्रतिभाओं की जानकारी मिलेगी, जिन्होंने यूपीएससी की परीक्षा के सभी चरण पास किए लेकिन अंतिम मेरिट सूची में जगह बनाने में असफल रहे।

पहचान के संकट से निकलकर आज आजमगढ़ बना अदम्य साहस का गढ़: योगी

आजमगढ़ में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता काटकर सीएम योगी ने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे किया जनता को समर्पित

लखनऊ/आजमगढ़/एजेंसी
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार आजमगढ़ में गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का भव्य लोकार्पण किया। राज्य को विकास के नए आयामों पर ले जाने का प्रतीक बना यह लिंक एक्सप्रेसवे 91.352 किलोमीटर लंबा है जिसे 7,283 करोड़ की लागत से

तैयार किया गया है। सीएम योगी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता काटकर एक्सप्रेसवे आम जनता के लिए समर्पित किया और खुद अपने काफिले के साथ गोरखपुर के लिए रवाना हो गए। इससे पहले आजमगढ़ के सलारपुर, फूलपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पहले आजमगढ़ पहचान के संकट से जूझता था, लेकिन आज यह अदम्य साहस का गढ़ बन चुका है। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और डबल इंजन सरकार के प्रयासों का परिणाम है, जो उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य से एक्सप्रेसवे प्रदेश के रूप में स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक्सप्रेसवे आजमगढ़ के साथ-साथ अंबेडकर नगर, संत कबीर नगर और गोरखपुर को विश्वस्तरीय कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

यह कनेक्टिविटी पटना से दिल्ली तक की यात्रा को आसान बनाएगी- सीएम योगी
सीएम योगी ने कहा कि आजमगढ़ से गोरखपुर तक यह लिंक एक्सप्रेसवे पूर्वी उत्तर प्रदेश को विकास की मुख्यधारा से जोड़ रहा है। यह कनेक्टिविटी पटना से दिल्ली तक की यात्रा को आसान बनाएगी। उन्होंने कहा कि 2017 में केवल दो एक्सप्रेसवे (यमुना और आगरा-लखनऊ) थे जिसमें आगरा-लखनऊ अधूरा ही था जिसे डबल इंजन की सरकार ने पूरा किया, लेकिन अब 340 किलोमीटर का पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, 300 किलोमीटर का बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे और 91 किलोमीटर का गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे चालू हो चुके हैं। इसके अलावा, गंगा एक्सप्रेसवे (600 किलोमीटर), लखनऊ-कानपुर, बलिया लिंक सहित छह एक्सप्रेसवे निमार्णाधीन हैं।

देश को सिकलसेल एनीमिया मुक्त बनाने के लिए सभी भागीदार एकजुट होकर करें कार्य: राष्ट्रपति

एजेंसी

भोपाल। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने 'विश्व सिकलसेल रोग जागरुकता दिवस' पर मध्यप्रदेश सरकार के प्रयास की सराहना की है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने इस संबंध में कल अपने संदेश में कहा कि विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए यह बहुत जरूरी है कि सभी देशवासी स्वस्थ हों। स्वस्थ नागरिक ही अपने जीवन, अपने राज्य और हमारे देश की प्रगति में प्रभावी योगदान दे सकते हैं। उन्होंने भारत को सिकलसेल एनीमिया मुक्त बनाने के लिए सभी भागीदारों से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया है। श्रीमती मुर्मु ने मध्यप्रदेश के जिला बड़वानी में 'विश्व सिकलसेल रोग जागरूकता दिवस' आयोजित करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार की सराहना की है। उन्होंने संदेश में कहा कि दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करने वाली सिकलसेल एनीमिया, भारत में जनजातीय आबादी को विशेष रूप से प्रभावित करती है। इसके विरुद्ध दृढ़ संकल्प के साथ लड़ने की दिशा में इस दिवस का मनाया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रपति ने कहा कि दशकों से हमारे आदिवासी समुदाय और पिछड़े क्षेत्रों में कई लोग सिकलसेल एनीमिया का कष्ट झेलते रहे हैं। बीमारी के एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक प्रसार को रोकने के लिए समुदाय स्तर पर स्क्रीनिंग जांच द्वारा पहचान कर 'जेनेटिक काउंसलिंग'

एवं प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। वर्ष 2047 तक भारत को सिकलसेल एनीमिया से मुक्ति दिलाने का राष्ट्रीय संकल्प इस समस्या को जड़ से समाप्त करने की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। राष्ट्रीय सिकलसेल एनीमिया मुक्ति मिशन के अंतर्गत सिकलसेल एनीमिया से प्रभावित लोगों के लिए एकीकृत उपचार केन्द्र स्थापित किए गए हैं, जहां पर रोगियों को आवश्यक औषधियाँ निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि राष्ट्रीय सिकलसेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत हो रहे प्रयासों से राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई जनजातीय समुदायों में बीमारी की पहचान समय पर हो रही है जिससे इलाज और जीवन की गुणवत्ता में सुधार भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि जब सभी हितधारक मिलकर एक सतत, समर्पित और मानवीय दृष्टिकोण से कार्य करेंगे, तभी इस समस्या का जड़ से उन्मूलन संभव हो पाएगा। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि विकसित भारत के हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए यह बहुत जरूरी है कि सभी देशवासी स्वस्थ हों। स्वस्थ नागरिक ही अपने जीवन, अपने राज्य और हमारे देश की प्रगति में प्रभावी योगदान दे सकते हैं। उन्होंने भारत को सिकल सेल एनीमिया मुक्त बनाने के लिए सभी भागीदारों को एकजुट होकर कार्य करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हम सब निरंतर एकजुट होकर कार्य करें।

मुख्यमंत्री आवास में धामी, अधिकारियों और कर्मचारियों ने किया योग अभ्यास

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के देहरादून स्थित मुख्यमंत्री आवास में गुरुवार को योगाभ्यास किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ उनके कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर श्री

धामी ने प्रदेशवासियों को योग को नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि आंतरिक शांति और आत्मबोध की एक प्रक्रिया है। यह हमारे मन को स्थिर कर चेतना की गहराइयों तक पहुँचाने का माध्यम है।' उन्होंने भारतीय संस्कृति की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'भारत ने सदैव मानवीय मूल्यों को सर्वोपरि रखा है और हमारी सनातन संस्कृति का मूल स्तंभ योग है। यही कारण है कि आज योग दुनिया के करोड़ों लोगों की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गया है और भारतीय जीवन शैली को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग को अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में मान्यता देने के लिए प्रस्ताव रखा था, जिसे 177 देशों ने समर्थन दिया और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड योग और ऋषि मुनियों की भूमि है। ग्राम स्तर तक सभी लोग योग से जुड़े, सरकार द्वारा इस दिशा में प्रयास किए गए हैं। योग से रोजगार के अवसर बढ़ाये जा रहे हैं। उत्तराखंड को योग और वेलनेस की वैश्विक राजधानी बनाने के लिए नई योग नीति लाई गयी है।

ऑपरेशन सिंधु: ईरान से लौटे छात्रों को घर पहुंचाने के लिए जम्मू कश्मीर सरकार कर रही परिवहन की व्यवस्था

श्रीनगर । जम्मू कश्मीर सरकार अब ईरान से लौटे नागरिकों को घर पहुंचाने की व्यवस्था कर रही है। गुरुवार की सुबह ईरान से 110 भारतीय नागरिकों को लेकर एक विशेष विमान दिल्ली में उतरा। इनमें से 94 नागरिक जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि सरकार उनकी घर वापसी के लिए परिवहन व्यवस्था कर रही है। जम्मू कश्मीर के सीएम ऑफिस ने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ईरान से निकाले गए हमारे 94 छात्र सुरक्षित रूप से दिल्ली पहुंच गए हैं। सरकार उनकी घर वापसी के लिए परिवहन व्यवस्था कर रही है, जो अगले कुछ घंटों में लागू हो जाएगी। इसके पहले सीएम ऑफिस ने पोस्ट किया, मुख्यमंत्री ने ईरान से निकाले गए छात्रों को दिल्ली से जम्मू-कश्मीर तक ले जाने के लिए व्यवस्थित बसों की गुणवत्ता के बारे में

अनुरोध पर ध्यान दिया है। रेजिडेंट कमिश्नर को जेकेआरटीसी के साथ समन्वय करने का काम सौंपा गया है, ताकि ये सुनिश्चित किया जा सके कि उचित डीलक्स बसों की व्यवस्था हो। इजरायल और ईरान में संघर्ष के बीच भारत ने अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए ऑपरेशन सिंधु शुरू किया है। इसके तहत ईरान से सफलतापूर्वक निकाले गए 110 भारतीय नागरिकों को लेकर पहली उड़ान गुरुवार सुबह नई दिल्ली पहुंची। सभी भारतीय नागरिकों को इंडिगो की उड़ान 6ई 9487 से दिल्ली लाया गया। एयरपोर्ट पर केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने भारतीय नागरिकों का स्वागत किया। भारतीय छात्रों को ईरान से आर्मेनिया के रास्ते निकाला गया है। ईरान और आर्मेनिया में भारतीय मिशनों की देखरेख में सड़क मार्ग से अर्मेनियाई राजधानी येरेवन तक पहुंचाया गया। वहां से विशेष विमान ने दिल्ली के लिए उड़ान भरी। 110 भारतीय छात्रों को लेकर ये उड़ान सुबह नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 पर उतरी। ईरान से निकाले जाने के बाद कई भारतीय छात्रों ने सरकार को धन्यवाद दिया।

केदारनाथ हेलीकॉप्टर हादसे के बाद हेली सेवाओं पर सस्पेंस बरकरार, बुकिंग की तारीख नहीं हुई जारी

देहरादून । केदारनाथ हेलीकॉप्टर हादसे के बाद से हेली सेवाओं को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। केदारनाथ में हेली सेवाओं के तीसरे चरण की बुकिंग अब तक शुरू नहीं हो पाई है। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण और आईआरसीटीसी की तरफ से इस बारे में अभी तक कोई जानकारी साझा नहीं की गई है।

दरअसल, दो मई को केदारनाथ के कपाट खुले थे और इसके साथ ही हेली सेवाएं भी शुरू हो गई थीं। 22 जून तक की हेली सेवाएं पूरी तरह बुक हैं, लेकिन हाल ही में केदारनाथ में हुए हेलीकॉप्टर हादसे के बाद हेली सेवाओं के तीसरे चरण की बुकिंग पर सस्पेंस बरकरार है। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण और आईआरसीटीसी ने बुकिंग की लेटेस्ट तारीख जारी नहीं की है। ऐसे में 22 जून के बाद की हेलीकॉप्टर की बुकिंग पर सस्पेंस बना हुआ है। 15 जून को रुद्रप्रयाग के गौरीकुंड के पास एक जंगली इलाके में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। केदारनाथ धाम से गुप्तकाशी जा रहे हेलीकॉप्टर में सवार सभी सात लोगों की इस हादसे में मौत हो गई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्रोएशिया के प्रधानमंत्री प्लेंकोविच के साथ बातचीत की

राष्ट्रपति मिलनोविच से भी मिले

एजेंसी

ज़ाग्रेब। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को यहां अपने क्रोएशियाई समकक्ष आंद्रेज प्लेंकोविच के साथ सार्थक बातचीत की और दोनों नेताओं ने रक्षा और सुरक्षा, फार्मा, नवीकरणीय ऊर्जा और आईटी के क्षेत्रों में मिलकर काम करने पर सहमति जतायी। बाद में श्री मोदी ने राष्ट्रपति ज़ोरान मिलनोविच से मुलाकात की। उन्होंने क्रोएशियाई प्रधानमंत्री के साथ शहर के चौक की सैर भी की। वह क्रोएशिया की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। श्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा ज़ाग्रेब में अपने मित्र प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच के साथ सार्थक बातचीत की। हमारी बातचीत में कई क्षेत्रों को शामिल किया गया, जिसका उद्देश्य भारत-क्रोएशिया के संबंधों को और भी मजबूत बनाना है। हम

रक्षा और सुरक्षा, फार्मास्यूटिकल्स, कृषि, आईटी, नवीकरणीय ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे। सेमीकंडक्टर, जहाज निर्माण, कनेक्टिविटी और अन्य क्षेत्रों में तालमेल भी बहुत फायदेमंद होगा।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा , भारत-क्रोएशिया संबंधों में एक नया अध्याय। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्रोएशिया के ज़ाग्रेब में प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच के साथ सार्थक चर्चा की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और डिजिटल प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा, समुद्री बुनियादी ढांचे, पर्यटन और आतिथ्य जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने पर सहमति जतायी। प्रधानमंत्री ने सीमा पार आतंकवाद से लड़ने में भारत को दिए गए दृढ़ समर्थन के लिए क्रोएशिया को धन्यवाद दिया।दोनों नेताओं ने भारत-यूरोपीय संघ के रणनीतिक संबंधों को और गहरा करने का भी आह्वान किया। इससे पहले ऐतिहासिक बंस्की ड्वोरी महल में पहुंचने पर श्री मोदी का श्री प्लेंकोविच ने औपचारिक स्वागत किया। क्रोएशियाई प्रधानमंत्री ने उनके सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन किया। श्री मोदी ने श्री प्लेंकोविच को पारस्परिक रूप से सुविधाजनक समय पर भारत आने का निमंत्रण दिया। क्रोएशिया के राष्ट्रपति के साथ बैठक पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा भारत-क्रोएशिया , एक नयी साझेदारी की नींव रखना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्रोएशिया के ज़ाग्रेब में राष्ट्रपति ज़ोरान मिलनोविच के साथ उपयोगी बातचीत की।

टीएमसी पर भड़के सुवेंदु अधिकारी, कहा- 'उनके पत्र में दिखती है गुजरात विरोधी मानसिकता'

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पत्र को सोशल मीडिया पर साझा कर कुछ सवाल खड़े किए। टीएमसी पर गुजरात विरोधी मानसिकता का आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर टीएमसी का पत्र शेयर करते हुए सवाल किया। उन्होंने लिखा, ÷ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का 18 जून 2025 का पत्र, जिसमें उन्होंने 80-कालीगंज विधानसभा उपचुनाव के लिए वेबकास्टिंग एजेंसी के चयन पर सवाल उठाया है, जो स्पष्ट रूप से गुजरात विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। पत्र में अहमदाबाद, गुजरात की एक एजेंसी के चयन पर चिंता जताई गई है और बार-बार इसके गुजरात मूल को रेखांकित किया गया है, जो गुजरातियों के खिलाफ क्षेत्रीय भेदभाव को दर्शाता है।उन्होंने आगे कहा, गुजरात भारत का हिस्सा है और

वहां की कोई भी कंपनी कानूनी तौर पर किसी भी टेंडर प्रक्रिया में हिस्सा ले सकती है। एजेंसी का चयन सभी मानदंडों को पूरा करने के बाद हुआ होगा, लेकिन टीएमसी इसे निशाना बना रही है, क्योंकि यह उनकी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है।

भारतीय संविधान की 75 वर्षों की यात्रा महत्वपूर्ण सफलताओं की कहानी: गवई

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने भारतीय संविधान के पिछले 75 वर्षों की यात्रा को महान महत्वाकांक्षा और महत्वपूर्ण सफलताओं की कहानी करार देते हुए कहा कि सामाजिक-आर्थिक न्याय प्रदान करने में इस अवधि की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने इटली के प्रमुख शहर 'मिलान' में 'सामाजिक-आर्थिक न्याय प्रदान करने में संविधान की भूमिका' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान यह विचार व्यक्त किया। उन्होंने बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में कहा, ÷भूमि और कृषि सुधारों ने सामंती संरचनाओं को खत्म करने, जड़ जमाए पदानुक्रमों की जकड़न को तोड़ने और भूमि और आजीविका तक पहुंच को फिर से वितरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अनगिनत भूमिहीन और हाशिए पर पड़े व्यक्तियों, विशेष रूप से उत्पीड़ित जातियों और समुदायों के लिए ये सुधार आर्थिक स्वतंत्रता और सम्मान हासिल करने का पहला

वास्तविक अवसर था।' मुख्य न्यायाधीश ने कहा, समाज के बड़े हिस्से को हाशिए पर रखने वाली संरचनात्मक असमानताओं को संबोधित किए बिना कोई भी राष्ट्र वास्तव में प्रगतिशील या लोकतांत्रिक होने का दावा नहीं कर सकता। दूसरे शब्दों में, सामाजिक-आर्थिक न्याय दीर्घकालिक स्थिरता, सामाजिक सामंजस्य और सतत विकास प्राप्त करने के लिए एक व्यावहारिक आवश्यकता है।मुख्य न्यायाधीश गवई ने स्वतंत्रता के बाद से किए गए न्यायिक और विधायी उपायों की सूची पर प्रकाश डालते हुए कहा, हमें सामाजिक-आर्थिक न्याय की अनिवार्यता को समझना चाहिए। यह केवल पुनर्वितरण या कल्याण का मामला नहीं है। यह प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान के साथ जीने, अपनी पूरी मानवीय क्षमता का एहसास करने और देश के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन में समान रूप से भाग लेने में सक्षम बनाने के बारे में है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान को 26 जनवरी, 1950 को न केवल शासन के लिए एक राजनीतिक दस्तावेज के रूप में अपनाया गया था, बल्कि समाज के लिए एक वादा, एक क्रांतिकारी बयान और गरीबी, असमानता व सामाजिक विभाजन से पीड़ित औपनिवेशिक शासन के लंबे वर्षों से बाहर आने वाले देश के लिए आशा की किरण के रूप में अपनाया गया था।

भारत ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी 2026 रैंकिंग में हासिल किया खास मुकाम, गर्व की बात: धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 की सराहना करते हुए इसे भारत के लिए 'अत्यंत गर्व' का क्षण बताया है। प्रधान ने एक्स पोस्ट में कहा, 'वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ 54 उच्च शिक्षा संस्थानों में शामिल होने के साथ भारत ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी 2026 रैंकिंग में एक नया मुकाम हासिल किया है। 2014 में सिर्फ 11 संस्थानों से अब 54 तक, यह लगभग पांच गुना वृद्धि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए परिवर्तनकारी शैक्षिक सुधारों को दर्शाती है। उन्होंने देश की शिक्षा प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को श्रेय दिया। उन्होंने कहा, एनईपी न केवल हमारे शिक्षा परिदृश्य को बदल रहा है, बल्कि क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। यह बहुत गर्व की बात है कि भारत जी-20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली शिक्षा प्रणाली है और अमेरिका, ब्रिटेन और चीन के बाद चौथे स्थान पर है। मुझे विश्वास है कि अनुसंधान, नवाचार और अंतर्राष्ट्रीयकरण पर एनईपी पर

जोर के साथ आने वाले समय में और अधिक भारतीय उच्च शिक्षा संस्थान वैश्विक उत्कृष्टता हासिल करेंगे। जारी क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में कुल 54 भारतीय संस्थानों को स्थान दिया गया है, जो भारत के लिए अब तक का सर्वोच्च स्थान है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली शीर्ष रैंक वाला भारतीय संस्थान बनकर उभरा है, जो वैश्विक स्तर पर 150वें स्थान से 123वें स्थान पर पहुंच गया है, जो अब तक का उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

शिक्षा मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट किया, आईआईटी दिल्ली भारत के शीर्ष रैंक वाले संस्थान के रूप में अग्रणी है। यह क्यूएस रैंकिंग में संस्थान के लिए एक ऐतिहासिक ऊंचाई है।

देश में कोरोना संकम्रित 17164 मरीज स्वस्थ हुए, सक्रिय मामले छह हजार से नीचे

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोराना संक्रमित 1219 मरीज के स्वस्थ होने के साथ ही गुरुवार को इस वायरस से निजात पाने वालों की संख्या 17164 तक पहुंच गयी और कुल सक्रिय मामलों की संख्या 5976 रह गयी है। इस अवधि में तीन और मरीजों की मौत से मृतकों की संख्या बढ़कर 116 पहुंच गयी। गौरतलब है कि गत 22 मई को देश में कोराना के मामले सिर्फ़ 257 सक्रिय थे।केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमित तीन और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 116 पहुंच गया। इस अवधि में दिल्ली में

दो और मरीज की मौत होने से राजधानी में मृतकों की संख्या 15 हो गयी। केरल में एक और मरीज की मौत होने से इस राज्य में मृतकों की कुल संख्या 37 हो गयी है। इस अवधि में जहां 12 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेश में कोरोना के मामलों में वृद्धि देखी, वहीं 10 राज्यों में सक्रिय मामलों में कमी आयी है। जबकि अन्य राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों से कोरोना संक्रमण के मामले प्राप्त नहीं हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार नये उभरते वेरिएंट, विशेष रूप से एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और हाल ही में पहचाने गये एनबी.1.8.1 सबवेरिएंट के कारण संक्रमण हो रहा है। इन वेरिएंट्स की जांच चल रही है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में 32 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में कोरोना के सक्रिय मामले घटने और बढ़ने के मामले सामने आये हैं, जबकि तीन राज्यों मिजोरम, हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश में कोरोना संक्रमण का फिलहाल कोई सक्रिय मामला नहीं है।मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार संक्रमण के मामले में केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य है, हालांकि आज सुबह तक 75 सक्रिय मामले घटने के साथ इसका आंकड़ा 1309 रह गया। राष्ट्रीय राजधानी में 12 मामले बढ़ने से संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 632 हो गयी।

संभल हिंसा मामले में चार्जशीट दाखिल, एसपी बोले- सांसद बर्क और जफर अली समेत 23 को बनाया आरोपी

एजेंसी

संभल । संभल में पिछले साल 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा मामले में एसआईटी ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क और जामा मस्जिद के सदर जफर अली समेत कुल 23 को आरोपी बनाया गया है। संभल के एसपी कृष्ण बिश्नोई ने से बातचीत में बताया, 24 नवंबर 2024 को संभल जिले में कोर्ट के आदेश पर सर्वे के दौरान बाधा डालने, हिंसा और आगजनी के संबंध में 12 एफआईआर दर्ज की गई थीं। इनमें से 7 मामले पुलिस और 5 मामले जनता की ओर से दर्ज किए गए थे। इन सभी मामलों में बुधवार को चार्जशीट दाखिल कर दी गई है।' उन्होंने कहा, इनमें सबसे महत्वपूर्ण 335/24 के तहत हिंसा की साजिश के अभियोग में सांसद जियाउर्रहमान बर्क के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है। इसके अलावा, एक अन्य अभियुक्त सुहैल इकबाल की घटनास्थल पर मौजूदगी पाई गई थी, लेकिन उनसे कई घंटों की पूछताछ और अन्य साक्ष्यों के संकलन के बाद उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिले। इसी जांच के दौरान उनकी नामजदगी गलत मिली।

साथ ही इस मामले में 23 लोगों को गिरफ्तार करके जेल भेजा गया है। एसपी कृष्ण बिश्नोई ने कहा, पुलिस को जांच के दौरान साक्ष्य मिले कि जामा मस्जिद के सदर जफर अली और सांसद बर्क की देर रात तक बात हुई थी।

अहमदाबाद विमान हादसा: 210 मृतकों के डीएनए मैच, स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने दी जानकारी

एजेंसी

नई दिल्ली । गुजरात के अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे में मारे गए लोगों के डीएनए सैंपल के मिलान की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने सोशल मीडिया पर गुरुवार को डीएनए मिलान के बारे में ताजा जानकारी साझा की है। ऋषिकेश पटेल ने बताया कि गुरुवार सुबह 8.30 बजे तक 210 लोगों के डीएनए सैंपल का मिलान हो गया है और उनके परिजनों से भी संपर्क साधा गया है। 187 शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि डीएनए सैंपल का मिलान कराने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि जल्द ही बाकी अन्य मृतकों के डीएनए का मिलान कर लिया जाएगा। इसके बाद शेष पार्थिव अवशेष जल्द ही परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। दूसरी ओर, घटनास्थल पर मृतकों के कीमती सामानों की जांच कर उनके परिजनों को सौंपा जा रहा है। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी। उन्होंने कहा, अहमदाबाद पुलिस, जिला प्रशासन और सामाजिक कार्यकर्ताओं को बधाई, उन्होंने पीड़ितों के परिवारों को कीमती सामान लौटाने का शानदार काम किया। उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण ने कई लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव किया है। इन नायकों को सलाम।

अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस की तैयारियों की मंत्री ने की समीक्षा, दिल्ली को नशा मुक्त बनाने पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। समाज कल्याण, एससी/एसटी कल्याण, चुनाव एवं सहकारिता मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस को लेकर होने वाले आयोजनों की तैयारियों को लेकर दिल्ली पुलिस एवं समाज कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। रविंद्र इंद्राज ने बैठक में दिल्ली को नशा मुक्त बनाने के लिए समाज कल्याण विभाग, पुलिस विभाग और शिक्षा विभाग को समन्वय बनाकर प्रयास करने के लिए कहा। समाज कल्याण मंत्री ने 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर जिलों में होने वाले आयोजनों की प्रगति का विवरण लेते हुए उन्हें और अधिक प्रभावी एवं जन-भागीदारी आधारित बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा की गरीब और वंचित तबके तक जागरूकता पहुंचाने का हर संभव प्रयास करें। नुक्कड़ नाटकों के मंचन के लिए 64 हॉट स्पॉट का चयन भी इसी आधार पर करें। स्कूल के स्तर पर ही छात्रों को किसी भी परिवार पर नशे की लत से होने वाले शारीरिक, मानसिक और आर्थिक नुकसान के बारे में बताना जरूरी है। युवा वर्ग में नशे के दुष्प्रभावों को लेकर संवाद और प्रेरक गतिविधियों (जैसे नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रदर्शनी, प्रेरक भाषण आदि) को बढ़ावा दिया जाए।

विद्यानिवास मिश्र जन्मशती पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

नई दिल्ली। पंडित विद्यानिवास मिश्र के जन्मशतवार्षिकी के अवसर पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आज आयोजन किया गया। साहित्य अकादेमी ने इस दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन अपने सभाकक्ष रवींद्र भवन में किया।संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए प्रख्यात आलोचक, साहित्य अकादेमी के महत्तर सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष विश्वनाथ प्रसाद तिवारी ने कहा कि विद्यानिवास मिश्र ललित निबंधकार के रूप में विख्यात थे परंतु उनका कृतित्व व्यापक है। उनके लेखन के केंद्र में सदैव भारतीयता रही है। उन्होंने कहा कि बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पंडित जी का उदय हुआ और उनके लेखों और पत्रकारिता ने भारतीय साहित्य को एक नई दिशा दी।संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने कहा कि जब पूरा भारत फ्रॉयड और मार्क्स की आंधी में बह रहा था तो दो-चार लोग ही ऐसे थे जिन्होंने भारतीयता के परचम को बुलंद रखा उनमें पंडित विद्यानिवास मिश्र अग्रणी थे। उन्होंने कहा कि विद्यानिवास मिश्र के लेखों में लोकल से ग्लोबल तक का विवरण देखने को मिलता है। यदि भारत को समझना है तो विद्यानिवास मिश्र को समझना आवश्यक है।

दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने सचिवालय में दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इस अहम बैठक में उन्होंने दिल्ली सरकार के सभी सरकारी अस्पतालों में सभी तरह की जरूरी दवाओं की खरीद करने, उपलब्धता सुनिश्चित करने और आपूर्ति को कायम रखने के सख्त निर्देश भी दिए। मानसून को देखते हुए मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी सूरत में सरकारी अस्पताल में गुणवत्तापूर्ण दवाओं की कमी नहीं हो सके। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दिल्ली के किसी भी सरकारी अस्पताल में इमरजेंसी दवाओं की कोई कमी न हो, जिसके लिए प्रोक्योरमेंट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। जिसके लिए उन्होंने सभी जरूरी प्रक्रिया को समयबद्ध पूरी करने के सख्त निर्देश दिए। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत सरकारी अस्पतालों में 'क्रिटिकल केयर ब्लॉक' जल्द खोलने के भी सभी जरूरी निर्देश दिए हैं। मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

फेसबुक पर 'ऑस्ट्रेलिया भेजने' का झांसा देकर 2200 डॉलर की ठगी - आरोपी चंडीगढ़ से गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए फर्जी वीजा देने वाले गिरोह के एक आरोपित को चेन्नई से गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान पंजाब निवासी कुलदीप सिंह (31) के रूप में हुई है।एयरपोर्ट डीसीपी उषा रंगनानी ने बताया कि मुंबई निवासी शिकायतकर्ता खेमचंद बोरवाल ने शिकायत दी थी कि वे फेसबुक पर गुरजीत कौर नाम की प्रोफाइल के संपर्क में आए। जिसने विदेशों में वीजा दिलाने के झूठे विज्ञापन डाले थे। खुद को एजेंट बताकर आरोपित ने खेमचंद को ऑस्ट्रेलिया भेजने का झांसा दिया और भरोसा दिलाया कि बिना अग्रिम भुगतान के वह वीजा और यात्रा का पूरा इंतजाम कर देगा। डीसीपी के अनुसार खेमचंद से पासपोर्ट की फोटो मंगवाई गई और फर्जी वीजा व टिकट भेजे गए।

सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पूर्व सेनाध्यक्षों संग राष्ट्रपति से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। थलसेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पूर्व थलसेनाध्यक्ष जनरल वी.पी. मलिक, जनरल एन.सी. विज, जनरल जे.जे. सिंह, जनरल दीपक कपूर, जनरल बिक्रम सिंह और जनरल मनोज पांडे के साथ राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भेंट की। जनरल उपेन्द्र द्विवेदी और पूर्व सेना प्रमुखों के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया गया है। गौरतलब है कि नई दिल्ली में 'चीफ्स चिंतन' नामक एक विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह दो दिवसीय कार्यक्रम मंगलवार को शुरू हुआ था। नई दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में जनरल उपेन्द्र द्विवेदी और पूर्व सेना प्रमुखों के बीच गहन विचार-विमर्श हुआ। सेना के मुताबिक, 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद आयोजित इस संवाद का उद्देश्य पूर्व सेनाध्यक्षों के विशाल अनुभव और रणनीतिक दृष्टिकोण का लाभ उठाते हुए भारतीय सेना के भविष्य को दिशा देना था। कार्यक्रम का मुख्य फोकस 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विस्तृत प्रस्तुति रही, जिसमें संयुक्त अभियानों और रणनीतिक प्रभाव को रेखांकित किया गया। यहां पूर्व सेना प्रमुखों ने अपनी अमूल्य अंतर्दृष्टि और सुझाव साझा किए। ये सुझाव सेना की क्षमता संवर्धन और संगठनात्मक सुधारों में योगदान देंगे। गौरतलब है कि यह कार्यक्रम वर्तमान और पूर्व नेतृत्व की सामूहिक प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारतीय सेना भविष्य की चुनौतियों के लिए पूर्णतः तैयार रहे। यहां भारतीय सेना के पूर्व सेना प्रमुखों के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' की ऑपरेशनल जानकारी साझा की गई। दरअसल, यह भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और पूर्व सेना प्रमुखों के बीच एक संरचित संवाद कार्यक्रम था। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य पूर्व सेना प्रमुखों के संस्थागत ज्ञान और अनुभव का लाभ उठाना था। ऐसा करने से भारतीय सेना के भविष्य के दृष्टिकोण और सेना में होने वाले बदलावों को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकेगा। जनरल द्विवेदी ने पूर्व सेना प्रमुखों का स्वागत किया और इस बात पर बल दिया ।

लेह जा रही इंडिगो फ्लाइट की तकनीकी खराबी के बाद इमरजेंसी लैंडिंग, दिल्ली में उतारा गया विमान

एजेंसी

नई दिल्ली । अहमदाबाद में हुई दुर्घटना के बाद से देश में विमानों की लगातार आपात लैंडिंग देखने को मिल रही है। गुरुवार सुबह दिल्ली से लेह जाने वाली इंडिगो फ्लाइट 6ई 2006 की तकनीकी कारणों से इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट में मौजूद सभी यात्री सुरक्षित हैं। जानकारी के मुताबिक, इंडिगो की फ्लाइट में चालक दल के सदस्यों समेत करीब 180 लोग सवार थे। गुरुवार सुबह फ्लाइट ने दिल्ली से लेह के लिए उड़ान भरी। लेह पहुंचने से कुछ देर पहले तकनीकी गड़बड़ी का पता चला। विमान लेह पहुंचने के कुछ ही देर बाद वापस लौट आया और सुरक्षित तरीके से दिल्ली में उतर गया। फिलहाल आधिकारिक तौर पर उस तकनीकी खराबी की जानकारी सामने नहीं आई है। इंडिगो की एक फ्लाइट को रद्द करना पड़ा। फ्लाइट 6ई 6101 भुवनेश्वर से कोलकाता के लिए रवाना होनी थी। हालांकि उड़ान भरने से कुछ मिनट पहले फ्लाइट को रद्द कर दिया गया। इसका कारण भी विमान में तकनीकी खराबी बताया गया। इससे पहले दो जून को रांची में इंडिगो का एक विमान गिद्ध से टकराया था, जिसके कारण आपात लैंडिंग करानी पड़ी। पटना से कोलकाता वाया रांची की फ्लाइट करीब 3-4 हजार फीट की ऊंचाई पर थी। उसी समय एक गिद्ध उससे टकराया। टक्कर के बाद विमान करीब 40 मिनट तक हवा में रहा। इंडिगो की इस फ्लाइट में क्रू मेंबर्स समेत 175 यात्री सवार थे। पक्षी से टक्कर के बाद यात्री दहशत में थे। विमान के क्रू मेंबर ने उन्हें भरोसा दिलाया। पायलट ने सतर्कता दिखाते हुए प्लेन की रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर सुरक्षित तरीके से लैंडिंग कराई। हालांकि बाद में टक्कर से विमान को कितनी क्षति हुई, इंजीनियर्स की टीम ने इसका आकलन किया।

केंद्र ने पीएमएवाई-शहरी 2.0 योजना के तहत 2.35 लाख अतिरिक्त घरों को मंजूरी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंजूरी एवं निगरानी समिति की हुई तीसरी बैठक के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत निर्माण के लिए लगभग 2.35 लाख घरों को मंजूरी दी गई है। बैठक में नौ राज्यों असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में कुल 2,34,864 घरों की स्वीकृति दी गई। आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, इस प्रकार पीएमएवाई-यू 2.0 के तहत अब तक स्वीकृत घरों की कुल संख्या सात लाख के आंकड़े को पार कर गई है। पीएमएवाई-यू 2.0 को चार वर्टिकल - लाभार्थी नेतृत्व निर्माण (बीएलसी), भागीदारी में किफायती आवास (एएचपी), किफायती किराए के आवास और ब्याज सब्सिडी योजना के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है। मंत्रालय के सचिव श्रीनिवास कटिकिथला की अध्यक्षता वाली केंद्रीय मंजूरी और निगरानी समिति द्वारा अनुमोदित घर, योजना के लाभार्थी नेतृत्व निर्माण और भागीदारी में किफायती आवास वर्टिकल के अंतर्गत आते हैं। बैठक के दौरान, कटिकिथला ने बड़े राज्यों को किफायती आवास नीति तैयार करने और प्रस्तावों को पीएमएवाई-यू 2.0 के एएचपी वर्टिकल के अंतर्गत लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र शासित प्रदेश महाराष्ट्र की किफायती आवास नीति का अध्ययन कर सकते हैं और इसे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार अपना सकते हैं। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह भी सलाह दी गई कि वे बाद के चरण में खाली पड़े घरों

की समस्या से बचने के लिए अनुमोदन के प्रारंभिक चरण में एएचपी वर्टिकल के तहत लाभार्थियों की पहचान करें और उन्हें संलग्न करें। पीएमएवाई-यू 2.0 के तहत स्वीकृत घरों में, महिलाओं के सशक्तीकरण को सुनिश्चित करते हुए, अकेली महिलाओं और विधवाओं सहित 1.25 लाख से अधिक घर स्वीकृत किए गए हैं। इस बीच, ट्रांसजेंडरों को 44 घर आवंटित किए गए हैं। यह योजना विभिन्न वंचित समूहों के बीच समावेशिता और सामाजिक समानता को भी बढ़ावा देती है, जिसमें एससी लाभार्थियों के नाम पर 42,400 घर, एसटी लाभार्थियों के लिए 17,574 घर और ओबीसी के लिए 1,13,414 घर आवंटित किए गए हैं।

ओडिशा सरकार पर भड़कीं प्रियंका गांधी, कहा- महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा निंदनीय

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने ओडिशा के गंजम जिले के गोपालपुर बीच पर एक युवती के साथ हुई गैंगरेप की घटना की निंदा की। उन्होंने ओडिशा सरकार पर सवाल उठाए और कहा कि राज्य में दिन-प्रतिदिन महिलाओं के प्रति हिंसा बढ़ती जा रही है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, गोपालपुर, ओडिशा में 10 लोगों ने एक छात्रा के साथ जिस तरह बर्बरता की, उसकी निंदा करने के लिए कड़े से कड़े शब्द भी पर्याप्त नहीं हैं। ओडिशा में दिन-प्रतिदिन महिलाओं के प्रति हिंसा बढ़ती जा रही है। जिस राज्य में मुख्यमंत्री खुद स्वीकार करते हों कि पिछले पांच वर्षों में करीब 44,000 महिलाएं और बच्चे गायब हो चुके हैं, वहां महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता न देना भी अपने आप में महिलाओं के प्रति जुल्म है। दरअसल, युवती बीते रविवार को अपने एक दोस्त के साथ गोपालपुर बीच पर गई थी। इस दौरान कुछ लोगों ने उसके साथ गैंगरेप किया।

यही नहीं, आरोपियों ने उसके दोस्त को बांध दिया और फिर युवती के साथ गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने भी इस घटना की निंदा की। उन्होंने एक्स पर लिखा, ओडिशा के प्रमुख पर्यटन स्थल गोपालपुर बीच पर सामूहिक बलात्कार की खबर बेहद चौंकाने वाली है और इसने सभी को झकझोर कर रख दिया है। इसकी कड़ी निंदा की जाती है। पर्यटन स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा पर सवालिया निशान लग गया है। महिलाओं के खिलाफ हर दिन बढ़ रहे अत्याचारों को रोकने के लिए सरकार को सतर्क रहना चाहिए। राज्य में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिए। इसके अलावा, कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने एक्स पर लिखा था, यह खौफनाक है। ओडिशा में गोपालपुर बीच पर कॉलेज की लड़की के साथ 10 हैवानों ने गैंगरेप किया। लड़की अपने दोस्त के साथ थी। दरिंदों ने दोस्त को मारा पीटा और बांध दिया और फिर उसके सामने ही लड़की का गैंगरेप किया। राज्य में भाजपा सरकार की नाक के नीचे बेटियों का जीना दुश्वार हो गया है।

55 के हुए राहुल गांधी, खड़गे और राजनाथ सिंह सहित इन नेताओं ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी गुरुवार को अपना 55वां जन्मदिन मना रहे हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा, राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। संविधान के मूल्यों के प्रति आपकी अप्रतिम निष्ठा और उन लाखों लोगों के लिए सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक न्याय के प्रति आपकी गहरी संवेदना, जिनकी आवाज अक्सर अनसुनी रह जाती है, आपको सबसे अलग बनाती है। आपके कार्य निरंतर कांग्रेस पार्टी की विविधता में एकता, सद्भाव और करुणा की विचारधारा को दर्शाते हैं। मैं आपके लंबे, स्वस्थ और खुशहाल

जीवन की कामना करता हूं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, ÷लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई। ईश्वर उन्हें उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान करें।÷ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पोस्ट में लिखा, लोकसभा में विपक्ष के नेता और उत्तर प्रदेश के रायबरेली से लोकसभा सांसद राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। यह अवसर आपके लिए खुशियां लेकर आए और आने वाला साल स्वास्थ्य और समृद्धि से भरा हो।÷ कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पोस्ट में लिखा, हमारे नेता राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। भारत के लोगों के प्रति आपकी प्रतिबद्धता, उद्देश्य की स्पष्टता और जमीन पर निरंतर मौजूदगी सच्चे नेतृत्व का प्रतीक है और उन लोगों को प्रेरित करती रहेगी जो मूल्यों पर आधारित राजनीति में विश्वास करते हैं। आपके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं और आशा करता हूं कि आप अच्छी लड़ाई लड़ते रहेंगे।राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पोस्ट में लिखा, ÷राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर आपको उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान करें। राहुल इस देश में शोषित, वंचित, दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग और सवर्ण वर्ग के गरीबों के अधिकारों के लिए जिस हद तक लड़ रहे हैं, वह वाकई अभूतपूर्व है। यह सच्चा सामाजिक न्याय है। न्याय की इस लड़ाई में हम सब आपके साथ हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए आपके दृढ़ संकल्प और पूरे देश में शांति और प्रेम का संदेश सफल होगा। अब समय आ गया है कि आप आगे आएं और देश का नेतृत्व करें, लोकतंत्र को मजबूत करें और संविधान की रक्षा करें।

पीएम मोदी ने राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को उनके 55वें जन्मदिन पर शुभकामानएं दीं। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने लिखा, ÷लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और स्वस्थ जीवन प्रदान करें। वहीं, कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। सामाजिक न्याय के प्रति आपकी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता ने राजनीतिक विमर्श को नई दिशा प्रदान की है। आप समाज के हर वर्ग की प्रगति के लिए जो प्रयास कर रहे हैं और जिन बदलावों की अपेक्षा रखते हैं, उनमें आपको अपार सफलता मिले, यही मेरी दिल से की गई कामना है। साथ ही, ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि आने वाला वर्ष आपके लिए सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, लोकसभा में नेता विपक्ष, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मैं ईश्वर से आपके अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु व यशस्वी जीवन की प्रार्थना करता हूं। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आपके स्वस्थ, सफल, सुखद, दीर्घायु एवं मंगलमय जीवन की कामना करता हूं।

अमेरिका के रिएक्शन के बाद पता चलेगी पीएम मोदी और ट्रंप के बीच हुई वार्ता की सच्चाई : राशिद अल्वी

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातचीत पर संदेह जताते हुए कहा कि अमेरिका की प्रतिक्रिया के बाद सच्चाई का पता चलेगा। विदेश मंत्रालय के अनुसार, ट्रंप से बातचीत में पीएम मोदी ने दो टूक शब्दों में कहा कि भारत ने कभी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की है और भविष्य में भी ऐसी मध्यस्थता को स्वीकार नहीं करेगा। राशिद अल्वी ने समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान दोनों विश्व नेताओं के बीच वार्ता की सराहना की, लेकिन यह भी कहा कि अमेरिका की तरफ से प्रतिक्रिया आने के बाद ही सच्चाई का पता चल पाएगा। उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छी बात है कि दोनों नेताओं ने बातचीत की है। कनाडा में राष्ट्रपति ट्रंप पीएम मोदी से मिले भी नहीं, बिना मिले ही वापस अपने देश चले गए।उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की बातचीत के बाद अमेरिका की तरफ से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। हमें इंतजार रहेगा कि अमेरिका इस बातचीत पर क्या कहता है। उन्होंने कहा कि

पीएम मोदी और ट्रंप के बीच बातचीत की जानकारी भारत के गृह सचिव ने दी है। गृह सचिव ने पहले भी कहा था कि भारत ने पाकिस्तान पर हमला करने से पहले बता दिया था, लेकिन बाद में उन्होंने यू-टर्न ले लिया। गृह सचिव के बयान पर पूरी तरह से भरोसा नहीं किया जा सकता। दूसरी तरफ, उन्होंने इस बात पर दुख जताया कि कनाडा के सांसदों ने जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए पीएम मोदी को आमंत्रित करने का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि यह बेइज्जती प्रधानमंत्री की नहीं, बल्कि भारत की है। प्रधानमंत्री मोदी इस बात को कैसे स्पष्ट करेंगे कि सीजफायर अमेरिका के दबाव में नहीं किया गया है। उन्होंने सीजफायर लागू करने के सवाल पर कहा कि सीजफायर को लेकर राजनीतिक स्तर पर कोई बात नहीं हुई है। आप कह रहे हैं कि पाकिस्?तान के डीजीएमओ के फोन के बाद सीजफायर लागू करने का फैसला दोनों देशों ने लिया है। देश की जनता को धोखा दिया जा रहा है, उन्हें अंधेरे में रख रहे हैं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के जारी रहने पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि हाफिज सईद और अजहर मसूद जिंदा है, इन सबका आका अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ लंच कर रहा है, यह कैसा आपका 'ऑपरेशन सिंदूर है? अगर ऑपरेशन जारी है तो आगे बढ़ें।

मतदाता फोटो पहचान पत्र अब 15 दिनों में

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मतदाताओं को उनके फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) तेजी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के लिए नई मानक प्रक्रिया (एसओपी) तय की है। अब नए नामांकन या मतदाता विवरण में किसी भी बदलाव के 15 दिनों के भीतर मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) कार्ड प्राप्त हो जाएगा। यह पहल मतदाताओं की सुविधा के लिए की जा रही विभिन्न पहलों का हिस्सा है, जिन्हें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू व डॉ. विवेक जोशी के मार्गदर्शन में शुरू किया गया है। नई व्यवस्था में ईपीआईसी कार्ड बनने से लेकर उसके डाक विभाग द्वारा मतदाता तक पहुंचाने तक की हर प्रक्रिया की रियल-टाइम ट्रैकिंग की सुविधा उपलब्ध होगी। मतदाता को हर चरण की जानकारी एसएमएस के माध्यम से दी जाएगी। इस उद्देश्य के लिए चुनाव आयोग ने हाल ही में लॉन्च किए गए ईसीआईनेट प्लेटफॉर्म पर एक विशेष आईटी मॉड्यूल विकसित किया है। यह नया

प्लेटफॉर्म मौजूदा प्रक्रिया को बदलते हुए कार्यप्रणाली को अधिक सुचारू और दक्ष बनाएगा। डाक विभाग के एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) को भी ईसीआईनेट के साथ जोड़ा जाएगा ताकि ईपीआईसी की निर्बाध डिलीवरी सुनिश्चित की जा सके।

दिव्यांगजनों की सुलभ शिक्षा के लिए त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर

एजेंसी

नई दिल्ली। दिव्यांगजनों को समावेशी शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से नई दिल्ली में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अधीन दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी), राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। एमओयू हस्ताक्षर के अवसर पर केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, डीईपीडब्ल्यूडी के सचिव राजेश अग्रवाल और स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि दिव्यांग बच्चे भी अपार क्षमताओं से युक्त होते हैं। सही मंच मिलने पर वे समाज को नई दिशा दे सकते हैं। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस दृष्टिकोण का हिस्सा है जिसमें हर बच्चे को समान शिक्षा का अधिकार मिले। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा को संयुक्त समन्वय समिति (जेसीसी) का गठन किया जाएगा, जिसमें तीनों संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह समिति कार्यों की प्रगति की निगरानी करेगी और समय पर उद्देश्यों

जीवन की आधारशिला बताते हुए कहा कि समाज को दिव्यांगता के प्रति और अधिक संवेदनशील होना होगा। स्कूलों में सुलभ शौचालयों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए मिशन मोड में कार्य शुरू किया गया है ताकि कोई बच्चा बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण पढ़ाई न छोड़े। इस एमओयू के प्रभावी क्रियान्वयन और समन्वय के लिए की प्राप्ति सुनिश्चित करेगी। यह समझौता 'दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016' और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप समावेशी शिक्षा की मजबूत नींव रखने की दिशा में एक अहम पहल है। इसका उद्देश्य दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए समान और सुलभ शैक्षिक अवसर सुनिश्चित करना है।

भारत हुआ ट्रैकोमा-मुक्त, जेपी नड्डा ने सरकार के 11 साल की गिनवाईं उपलब्धियां

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ संगठन ने भारत को ट्रैकोमा मुक्त घोषित कर दिया है। ट्रैकोमा आंखों की संक्रामक बीमारी है, जोजीवाणु क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस के कारण होती है। केंद्र सरकार के 11 साल की उपलब्धियां गिनवाते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि देश ने एक और उपलब्धि हासिल की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत को ट्रैकोमा-मुक्त घोषित कर दिया है। नड्डा ने एक्स पोस्ट में कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत को ट्रैकोमा-मुक्त घोषित किया है, जिससे एक ऐसी बीमारी खत्म हो गई है जो कभी व्यापक अंधेपन का कारण बनती थी। स्वच्छता, पहुंच और नेत्र देखभाल सेवाओं में निरंतर प्रयासों के साथ, यह उपेक्षित उष्णकटिबंधीय बीमारी अब समाप्त हो गई है। सार्वजनिक स्वास्थ्य

में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर और भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली, सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और लाखों नागरिकों के लिए गर्व का क्षण। विश्व स्तर पर अंधेपन के प्रमुख कारणों में से एक ट्रैकोमा रोग लंबे समय से सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय रहा है। इस बीमारी को खत्म करने के लिए भारत ने जो प्रयास किए उसके निश्चित ही बेहतर परिणाम देखे गए, नतीजतन इसे सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि ट्रैकोमा को अति संक्रामक रोग के रूप में जाना जाता है। संक्रमित व्यक्ति की आंखों, पलकों और नाक-गले के स्राव के संपर्क में आने से दूसरे लोगों को संक्रमण होने का खतरा हो सकता है। इतना ही नहीं संक्रमित व्यक्ति द्वारा इस्तेमाल की गई वस्तुओं जैसे रूमाल और तौलिए के इस्तेमाल से भी संक्रमण फैलने का खतरा हो सकता है।

सफलता-असफलता के बीच का संतुलन, प्रयास

हम देखेंगे.. लाजिम है कि हम भी देखेंगे... मशहूर शायर फैज अहमद फ़ैज़ ने ये नज्म साढ़े चार दशक पहले तब लिखी थी जब पाकिस्तान में जनरल जिया उल हक ने हुकूमत की बागडोर संभाली थी। लेकिन इस नज्म को लोकप्रियता हासिल हुई 1986 में इकबाल बानो के जरिए। दरअसल, जिया-उल-हक की सरकार ने साड़ी को गैर इस्लामिक बताकर उस पर रोक लगा दी थी, जिसके विरोध में इकबाल बानो ने सफेद साड़ी पहनकर एक बड़े जनसमूह के सामने यह नज्म गायी थी। इसकी एक पंक्ति 'सब ताज उछाले जायेंगे, सब तख़्त गिराए जायेंगे' गाते ही भीड़ ने 'इंकलाब जिंदाबाद' नारे लगाने शुरू कर दिये। उसी वक़्त से यह नज्म सरकार और उसके तंत्र के प्रति असंतोष व्यक्त करने, प्रतिकार करने का माध्यम बन गई। भारत में भी जनवादी-प्रगतिशील संगठनों और जन आंदोलनों ने इसे हाथों-हाथ ले लिया और इस नज्म ने जनगीत की शक्ल अख्तियार कर ली।

बरसों-बरस यह नज्म जलसों-जुलूसों, धरने-प्रदर्शनों, बैठकों-सभाओं में गायी जाती रही। सरकारें आती-जाती रहीं, इस रचना में किसी को कोई बुराई नजर नहीं आई। लेकिन फिर 2019 आया जब बाकी देश की तरह आईआईटी कानपुर के छात्र नागरिकता संशोधन कानून (सीएए-एनआरसी) के विरोध में इकठ्ठा हुए और यह नज्म गायी। दूसरे पक्ष के कुछ छात्रों ने इस नज्म को हिन्दू विरोधी बताते हुए बवाल खड़ा कर दिया। उन्होंने संस्थान के निदेशक को शिकायत की कि यह नज्म से उनकी धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली है। इस पर संस्थान ने एक जांच समिति का गठन कर दिया। समिति ने अपनी जांच में पाया कि फैज़ की यह नज्म हिंदू विरोधी नहीं, बल्कि सत्ता के विरोध का प्रतीक है। हालांकि यह तथ्य, साहित्य की सामान्य समझ रखने वाला कोई भी व्यक्ति बता सकता था।

लेकिन जब किसी विचारधारा के प्रति विद्वेष सामान्य बुद्धि पर हावी हो जाये तो कानपुर की घटना का दोहराव होना ही होता है। हाल ही में यह हुआ भी। 2015 की अत्यधिक चर्चित और पुरस्कृत मराठी फिल्म 'कोर्ट' के अभिनेता वीरा साथीदार की स्मृति में नागपुर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। वीरा एक लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता थे। 2021 में महज 61 साल की उम्र में उनकी मृत्यु हो गई। फिल्म 'कोर्ट' में उन्होंने नारायण कांबले का किरदार निभाया था। इस फिल्म ने दुनियाभर में लगभग 60 करोड़ की कमाई की थी। वीरा के स्मृति आयोजन में 'हम देखेंगे...' नज्म गायी गयी। किसी दक्षिणपंथी संगठन के सदस्य ने इसकी शिकायत पुलिस को कर दी। पुलिस ने भी आनन-फानन में मामला दर्ज कर लिया। उसने स्व. साथीदार की पत्नी पुष्पा समेत अन्य के खिलाफ देश की एकता-अखंडता को नुकसान पहुंचाने, धार्मिक भावना भड़काने और अशांति फैलाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है।

शिकायत में कहा गया है कि फैज की कविता में 'सिंहासन हिलाने' और 'तानाशाही के दौर' जैसी बातें कही गई हैं। वह भी ऐसे समय में जब पहलगाम हादसे के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चल रहा है। अब यह कोई लाल बुझक्कड़ ही बता सकता है कि सालों से गायी जा रही एक नज्म या कविता का दो देशों के बीच उपजे तनाव से क्या वास्ता हो सकता है- खासतौर से तब, जब वह नज्म किसी देश, समाज या धर्म के विरोध में नहीं, बल्कि तानाशाही और अन्याय के विरुद्ध लिखी गई हो। यहां ये बताना लाजिमी है कि अटल बिहारी वाजपेयी जैसे कद्दावर नेता भी फैज अहमद फैज के प्रशंसक थे और जिस नज्म पर इस वक़्त सवाल खड़े किये जा रहे हैं, वह भी अटल जी को बेहद पसंद थी। लेकिन न जाने क्यों दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी और मजबूती का दावा करने वाली उसकी सरकार को अपने इस पुरखे के आचरण-व्यवहार से सबक लेना चाहिये।

फैज़ की बात चली है तो यह बताना जरूरी है कि 2022 में सीबीएसई ने 10वीं कक्षा सामाजिक विज्ञान की किताब से उनकी कुछ कविताएं और लोकतंत्र से संबंधित अध्याय हटा दिये थे। इधर हाल ही में अशोका यूनिवर्सिटी के प्रो. अली खान महमूदाबाद को सोशल मीडिया पर उनकी एक पोस्ट के बहाने गिरफ्तार किया गया, अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर उन्हें अंतरिम जमानत मिल गई है। प्रो. खान के खिलाफ शिकायत करने वाली हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया,एक खबरिया चैनल की एंकर के छः बार पूछने पर भी बता नहीं पाईं कि आखिर उस पोस्ट में कौन सा शब्द, कौन सा वाक्य आपत्तिजनक था। इन्हीं मोहतरमा का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे राम रहीम को बलात्कारी कहने से बचती नजर आ रही हैं। रेनू भाटिया की तरह भाजपा का कोई नेता या कार्यकर्ता नहीं बता पा रहा है कि जब कर्नल सोफिया कुरैशी और भारतीय सेना के बारे में अनर्गल बयान देने वाले मंत्रियों को बचाने की सारी कोशिशें की जा रही है, तब प्रो. महमूदाबाद और पुष्पा साथीदार पर कार्रवाई क्यों की गई। क्या सिर्फ इसलिए कि दोनों में से एक मुसलमान है और दूसरा अंबेडकरवादी!

यह याद रखा जाना चाहिये कि हिन्दुस्तान हमेशा से उदार प्रवृत्तियों वाला देश रहा है और यहां असहमतियों-आलोचनाओं का सम्मान होते आया है। सरकार से अलग राय रखने और सवाल पूछने वालों पर बेजा कार्रवाई कर जनता को डराने की कोशिश ही न की जाये तो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए अच्छा होगा। वरना एक न एक दिन यह डर खत्म हो जायेगा। और तब क्या होगा - हम देखेंगे...

आंखों से बार-बार पानी आना किस बीमारी का लक्षण है?

आंखों से बार बार पानी आना कई बीमारियों का लक्षण होता है. कई बार यह बीमारी गंभीर भी हो सकती है. यदि आप कंप्यूटर, लैपटॉप या मोबाइल पर ज्यादा समय बिताते हैं तो आपको ड्राई आई की समस्या हो सकती है. ड्राई आई होने पर बार बार पानी आता है. यदि ऐसा नहीं है तो आपको इसकी जांच जरूर करवानी चाहिए. आंखों में बार बार पानी आना किस बीमारी के लक्षण है. इस बारे में हमने बात की सीनियर आई सर्जन से। अक्सर हमारी आंखों से बिना कारण पानी निकलने लगता है. यह आंखों की गंभीर बीमारी का लक्षण हो सकता है. आंखों में ड्राइनेस या धूल और बाल जाने के कारण भी ऐसा हो सकता है. कई बार धूल के कण ऐसे स्थान पर होते हैं जिनके कारण आंखों में खुजली या असहजता नहीं होती, लेकिन आंखों का सिस्टम उसे बाहर निकालने के लिए पानी का सहारा लेता है. इसके अलावा कई बीमारियां भी हैं जिनके कारण बार बार आंखों से पानी आता है. एमएमजी अस्पताल के सीनियर आई सर्जन डॉ. नरेंद्र कुमार बताते हैं कि बिना कारण आंखों से पानी आना आंसुओं की ग्रंथि की समस्या का लक्षण होता है. आंसू की नलिका में किसी तरह का अवरोध होता है तो बार बार आंखों में पानी आता है. इसके अलावा यदि पलकों में किसी तरह की समस्या है तब भी आंखों में पानी आता है. पलकों का बाहर या अंदर ओर मुड़ने के कारण भी ऐसा होता है. इसके अलावा बेल्स पाल्सी के कारण भी ऐसा होता है. बेल्स पाल्सी एक तंत्रिका संबंधी विकार है. इसमें चेहरे की मांसपेशियां प्रभावित होती हैं. जिससे आंखें बंद होने या पलकें ठीक से बंद न होने की समस्या हो सकती है. जिसके कारण बार बार आंख से पानी आता है. डॉ. नरेंद्र कुमार कहते हैं कि यदि आंखों से बार बार पानी आ रहा है तो आपको डॉक्टर से जांच करवानी चाहिए. इसके लिए घरेलू नुस्खे या लापरवाही आंखों के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं. डॉक्टर आपकी जांच करके आंखों से बार बार पानी आने के सही कारण पता करके इलाज करेंगे।

माता-पिता और संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंतता दें

- ललित गर्ग -

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें परिवारों के विकास में माता-पिता और उनके जैसे लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करने का अवसर प्रदान करता है। 2025 के लिए थीम है ह्यमाता-पिता का पालन-पोषणह्व। यह थीम माता-पिता के रूप में पालन-पोषण को एक महत्वपूर्ण कौशल के रूप में मान्यता देती है और हमें माता-पिता के रूप में बच्चों के विकास और कल्याण के लिए उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करती है। अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं।

माता-पिता ही बच्चों की सुरक्षा, विकास व समृद्धि के बारे में सोचते हैं। बावजूद बच्चों द्वारा माता-पिता की लगातार उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं प्रताड़ना की स्थितियों बढ़ती जा रही है, जिन पर नियंत्रण के लिये यह दिवस मनाया जाता है। भारत में जहां कभी संतानें पिता के चेहरे में भगवान और मां के चरणों में स्वर्ग देखती थीं, आज उसी देश में संतानों के उपेक्षापूर्ण व्यवहार के कारण बड़ी संख्या में बुजुर्ग माता-पिता की स्थिति दयनीय होकर रह गई है। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। विचारणीय है कि अगर आज हम माता-पिता का अपमान करते हैं, तो कल हमें भी अपमान सहना होगा। समाज का एक सच यह है कि जो आज जवान है उसे कल माता-पिता भी होना होगा और इस सच से कोई नहीं बच सकता। हमें समझना चाहिए कि माता-पिता परिवार एवं समाज की अमूल्य विरासत होते हैं। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए 2007 में माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण विधेयक संसद में पारित किया गया है। इसमें माता-पिता के भरण-पोषण, वृद्धाश्रमों की स्थापना, चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा का प्रावधान किया गया है। लेकिन इन सब के बावजूद हमें अखबारों और समाचारों की सुर्खियों में माता-पिता की हत्या, लूटमार, उत्पीड़न एवं उपेक्षा की घटनाएं देखने को मिल ही जाती है।

विश्व में इस दिवस को मनाने के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, परन्तु सभी का मुख्य उद्देश्य यह होता है कि वे अपने माता-पिता के योगदान को न भूलें और उनको अकेलेपन की कमी को महसूस न होने दें। हमारा भारत तो माता-पिता को भगवान के रूप में मानता है। इतिहास में अनेकों ऐसे उदाहरण है कि माता-पिता की आज्ञा से भगवान श्रीराम जैसे अवतारी पुरुषों ने राजपाट त्याग कर वनों में विचरण किया, मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार ने अपने अन्धे माता-पिता को काँवड़ में बैठाकर चारधाम की यात्रा कराई। फिर क्यों आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ती जा रही है। आज के माता-पिता समाज-परिवार से कटे रहते हैं और सामान्यतः इस बात से सर्वाधिक दुःखी है कि जीवन का विशद अनुभव होने के बावजूद कोई उनकी राय न तो लेना चाहता है और न ही उनकी राय को महत्व देता है। समाज में अपनी एक तरह से अहमियत न समझे जाने के कारण हमारे माता-पिता दुःखी, उपेक्षित एवं त्रासद जीवन जीने को विवश है। माता-पिता को इस दुःख और कष्ट से छुटकारा दिलाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार किस सीमा तक, कितना, किस रूप में और कितनी बार होता है तथा इसके पीछे कारण क्या हैं, इस पर हुए शोध में पता चला कि 82 प्रतिशत पीड़ित बुजुर्ग अपने परिवार के सम्मान के चलते इसकी शिकायत नहीं करते। शोध के निष्कर्षों के अनुसार अभिभावकों पर होने वाले अत्याचार एवं दुर्व्यवहार की स्थितियां चिन्तनीय है। जिनमें परिजनों एवं विशेषतः बच्चों के हाथों बुजुर्ग अपमान (56 प्रतिशत), गाली-गलौच (49 प्रतिशत), उपेक्षा (33 प्रतिशत), आर्थिक शोषण (22 प्रतिशत) और शारीरिक उत्पीड? का शिकार (12 प्रतिशत) होते हैं और ऐसा करने वालों में बहुओं (34 प्रतिशत) की अपेक्षा बेटों (52 प्रतिशत) की संख्या अधिक है जबकि पिछले सर्वेक्षणों में बहुओं की संख्या अधिक पाई गयी है। प्रौद्योगिकी ने भी बुजुर्गों की उपेक्षा और उनसे दुर्व्यवहार में अपना योगदान दिया है और संतानें अपने माता-पिता की अपेक्षा मोबाइल फोन और कम्प्यूटरों को अधिक तवज्जो देती हैं। इसका बुजुर्गों के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

अभिभावकों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। अभिभावकों के लिये भी यह जरूरी है कि वे वार्धक्य को ओढ़े नहीं, बल्कि जीएं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे ह्लसबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वासह्व की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं।

माता पिता ही है जो हमें सच्चे दिल से प्यार करते हैं बाकी इस दुनिया में सब नाते रिश्तेदार झुठे होते हैं। पता नहीं क्यों हमे हमारे पिता इतना प्यार करते हैं, दुनिया के बैंक खाली हो जाते हैं मगर पिता की जेब हमेशा हमारे लिए भरी रहती हैं। पता नहीं जरूरत के समय न होते हुए उनके पास अपने बच्चों के लिये कहां से पैसे आ जाते हैं। भगवान के रूप में माता-पिता हमें एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा की तकलीफों का सामना करने में ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है।

हम नहीं देख पाए, वो अब भी गा रहे थे

प्रियंका सौरभ

शहर की चमचमाती सड़कों, ऊंची इमारतों और बंद खिड़कियों के पीछे जब हम जीवन को व्यस्तताओं की कैद में जी रहे होते हैं, तब कहीं दूर गांवों की बाल्कनियों में जीवन अब भी खुले आकाश के नीचे साँस ले रहा होता है। वहां सुबहें अब भी चिड़ियों की चहचहाहट से शुरू होती हैं, दोपहरें कोयल की तान से सजी होती हैं, और रातें उल्लुओं की टेर में गूंजती हैं। यह लेख उन्हीं स्मृतियों और अनुभवों की यात्रा है – एक गांव की बाल्कनी में बैठकर महसूस की गई उस दुनिया की, जो कभी हमारी थी, लेकिन जिसे हमने शहर के शोर में कहीं खो दिया। जब मैं हाल ही में गांव आई, तो एक शाम अपनी बाल्कनी में बैठी थी। अचानक एक चिड़िया ने ध्यान खींचा। वो जानी-पहचानी सी लगी – भूरे और सफेद रंग की, फुतीर्ली और बेहद चंचल। उसे देखते ही जैसे मन के किसी कोने से आवाज आई – "धौरईया!" हाँ, यही तो कहते थे हम बच्चे जब नानी के घर आया करते थे। गर्मियों की छुट्टियों में जब पूरा कुनबा गांव में इकठ्ठा होता, तो आंगन में बैठकर हम सब बच्चे इन्हीं चिड़ियों के पीछे भागते, उन्हें दाना डालते, और उनके नामों पर बहस करते। "ये गौरैया नहीं, धौरईया है," मेरा चचेरा भाई अकड़कर कहता। शहर में रहते हुए पक्षियों की पहचान ही सीमित हो जाती है। कौए, कबूतर, तोते और कभी-कभार गौरैया – बस यही दिखाई देते हैं। लेकिन यहां गांव में जैसे किसी भूली-बिसरी किताब के पन्ने फिर से खुल गए हों। मेरी बाल्कनी के सामने ही एक पेड़ है, जिस पर सुबह-सुबह मैना और बुलबुल आती हैं। दूर खेतों में मोर नाचते हैं, और उनकी कूक जैसे किसी पारंपरिक संगीत का हिस्सा हो। नीलकंठ की एक झलक भी दिखती है, और वो नीला रंग आंखों को ताजगी देता है। टिटहरी की टिट-टिट, जलमुर्गी की फुर्ती, कोयल की कुहू-कुहू, और तितर की दौड़ – ये सब मिलकर एक ऐसी सजीव दुनिया रचते हैं जिसे शहरों में हमने कभी ठीक से जाना ही नहीं। शहरों की भीड़ में रहते हुए हम जैसे संवेदना शून्य होते चले जाते हैं। वहां सुबह मोबाइल अलार्म से होती है, यहां मुर्गे की बांग से। वहां हवा एसी की होती है, यहां आम के पेड़ की। वहां आसमान धुंध से भरा होता है, यहां पक्षियों की उड़ान से। रात के सन्नाटे में जब गांव में दो उल्लू नियमित रूप से आकर एक पुराने नीम के पेड़ पर बैठते हैं, तो एक अलग ही एहसास होता है। शहर में उल्लू शब्द एक अपमान या अंधविश्वास से जुड़ा होता है, लेकिन यहां वो जैसे रात के शिक्षक हों – प्रकृति का संतुलन बनाए रखने वाले मौन प्रहरी। जब मैंने अपनी नानी से पूछा कि इस चिड़िया को धौरईया ही कहते थे न, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए सिर हिलाया, "हाँ बिटिया, यही तो है। अब ये शहरों में कहां दिखती है। तुम लोग ही कहां रहते हो वहां, जो देख पाओगे।" इस बात ने भीतर तक झकझोर दिया। क्या सचमुच ये पक्षी विलुप्त हो रहे हैं, या हम ही उन जगहों से विलुप्त हो गए हैं जहां जीवन और प्रकृति एकसाथ सांस लेते हैं? गांव की यह बाल्कनी एक खिड़की बन गई थी – केवल बाहर देखने की नहीं, बल्कि अपने भीतर झांकने की। मुझे याद आने लगीं नानी की कहानियाँ, वो दोपहरें जब पेड़ की छांव में बैठकर चिड़ियों के घोंसलों को निहारा करते थे, वो मटर के खेत जिनमें तीतर भागते थे, और वो पोखर जहां जलमुर्गियाँ अपने बच्चों के साथ तैरती थीं। हमारी पीढ़ी ने मोबाइल की स्क्रीन पर बर्ड इमोजी तो देखी, लेकिन उनके असली रंग नहीं। हमने गूगल पर बर्ड कॉल्स सुने, लेकिन कभी खुले आसमान के नीचे बैठकर चिड़ियों की सुबह की सभा नहीं देखी। गांव आकर यह एहसास हुआ कि हमारी भागदौड़ में हमने वो सब पीछे छोड़ दिया है, जिसे देखकर हमारी आत्मा मुस्कुराया करती थी। पक्षी केवल उड़ने वाले प्राणी नहीं हैं, वो हमारे अतीत के हिस्से हैं। हमारे लोकगीतों, कहानियों, और भावनाओं में बसे हुए साथी हैं। "कागा सब तन खाइयो, चून-चून खइयो मांस" – कबीर के इस दोहे से लेकर मीराबाई की कोयल और तुलसी की चातक तक, हर पक्षी हमारी संस्कृति का अनिवार्य हिस्सा रहा है।

मुझे याद है जब पहली बार शहर आई थी, तो सोचती थी कि वहां की चकाचौंध ही जीवन का लक्ष्य है। लेकिन अब समझ में आता है कि रोशनी जरूरी है, पर हर रोशनी सूरज नहीं होती। कुछ रोशनियाँ ऐसी भी होती हैं जो आंखों को चौंधिया देती हैं, पर मन को अंधेरा कर देती हैं।

गांव की इस बाल्कनी में बैठे-बैठे एक नन्ही सी चिड़िया बार-बार आती है, कुछ पल बैठती है, फिर उड़ जाती है। उसे देखकर लगता है जैसे वो मेरी स्मृतियों में पंख लगा रही हो। हर बार जब वो उड़ती है, एक पुरानी याद हवा में तैर जाती है।

हम प्रकृति से जितना दूर होते जा रहे हैं, उतना ही खालीपन हमारे भीतर बढ़ता जा रहा है। मानसिक स्वास्थ्य से लेकर सामाजिक दूरी तक, आधुनिक जीवन के संकटों का एक बहुत बड़ा कारण यह भी है कि हम जमीन से, पेड़ों से, पक्षियों से और अपने मूल से कटते जा रहे हैं।

130 दिनों के शासन में डोनाल्ड ट्रम्प को नहीं मिली कोई सफलता

- अंजन रॉय

अपने घोषित लक्ष्यों की किसी भी स्पष्ट उपलब्धि से वंचित अमेरिकी राष्ट्रपति ने बार-बार भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम को अपने श्रेय के रूप में लिया। उन्होंने बार-बार दावा किया कि यह उनके 'व्यापार के उपयोग के कारण था जिसके परिणामस्वरूप संघर्ष विराम हुआ'। इस दावे को भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बार-बार खारिज किया है।

इस साल 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रम्प ने दूसरी बार संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी, तब से एक सौ तीस दिन बीत चुके हैं। शुरूआती दिनों में बड़ी उम्मीदें जगाने के बाद, अति सक्रिय राष्ट्रपति अब धीरे-धीरे इस तथ्य को स्वीकार कर रहे हैं कि वे एक बड़ी विफलता हैं। 'ट्रम्प हमेशा पीछे हटते हैं।' यह एक ऐसा लेबल है जिसे चीनी नेटिजेंस ने उनके लिए गढ़ा था क्योंकि वे टैरिफ पर चीन के साथ लड़ाई से डरते थे। ट्रम्प ने चीनी वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ को 145प्रतिशत तक बढ़ा दिया था और बातचीत शुरू होने से पहले ही चरणों में इसे 30प्रतिशत तक कम कर दिया था।

चीनियों ने ट्रम्प की रियायतों को टैरिफ युद्ध में चीन के साथ उलझने के उनके डर के रूप में वर्णित किया। इसके तुरंत बाद प्रसिद्ध वॉल स्ट्रीट में उनके अपने देशवासियों ने उन्हें 'टैको(ट्रम्प ऑलवेजचिकन्स आऊट) ट्रेड' की उपाधि दी, जिसका संदर्भ टैरिफ पर उनके तेजी से बदलते रुख के आधार पर अमेरिकी शेयर बाजारों में होने वाले उतार-चढ़ाव से था।

जब एक रिपोर्टर ने ओवल ऑफिस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीधे अमेरिकी राष्ट्रपति से यह सवाल पूछा, तो वह स्पष्ट रूप से गलत ढंग से पेश आये। उन्होंने इसे 'सबसे घटिया सवाल' बताया और उसे फिर कभी इसे न उठाने के लिए कहा। उन्हें यह साबित करने में बहुत मेहनत करनी पड़ी कि वे कायर नहीं हैं।

लेकिन अब सर्वव्यापी बैज का खंडन करने के उनके प्रयासों से, ट्रम्प अब एक मुखर व्यक्ति साबित हुए हैं, जो अपने वायदों के लायक नहीं हैं और वे जिन मुद्दों को उठा रहे थे, उन पर सख्त रुख अपनाने की बात कर रहे हैं। चाहे वह यह दावा हो कि वे सत्ता में आने पर एक दिन में यूक्रेन युद्ध को रोक देंगे। या फिर अमेरिकी संघीय खर्च और बजट घाटे को कम करने के उनके दावे हों- सभी मामलों में, ट्रम्प को धोखेबाज कहा गया है।ट्रम्प के सबसे करीबी सहयोगी, एलन मस्क, जिन्हें उन्होंने सरकारी दक्षता के लिए विभाग का प्रमुख नियुक्त किया था - तथाकथित डोज (डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एक्सपेंडिचर) - ने बुधवार को अपने कदम पीछे खींच लिए और वास्तव में उन्होंने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने संघीय खर्च में कटौती करने में ट्रम्प की विफलता की सार्वजनिक रूप से आलोचना की। वास्तव में, मस्क को एक टीवी साक्षात्कार में स्पष्ट रूप से यह कहते हुए सुना गया था कि सैन्य और रक्षा में संघीय खर्च में भारी कर कटौती और बड़ी बढ़ोतरी को मंजूरी देने के लिए बहुचर्चित 'बड़ा और सुंदर' विधेयक वास्तव में डोनाल्ड ट्रम्प के पहले के वायदों से मुकरना था। इस विधेयक से अमेरिकी संघीय घाटे में 3.8 ट्रिलियन डॉलर की वृद्धि होगी। यह उनके द्वारा वायदा किये गये कमी लाने के स्थान पर अमेरिकी सरकार के घाटे में एक बहुत बड़ी उछाल है।

विश्व टेस्ट चैंपियन बनने के बाद रैंकिंग में छाए दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर नया टेस्ट चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। इसके साथ ही टीम के कई खिलाड़ियों ने आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। लॉर्ड्स में खेले गए फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे एडेन मार्करम ने शानदार 136 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। उनकी इस परफॉर्मेंस ने उन्हें टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में 7 स्थान ऊपर पहुंचा दिया है और वह अब टॉप-10 से सिर्फ दो रेटिंग अंक दूर हैं। इसके अलावा, मार्करम को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए भी सराहा गया है और उन्हें टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में 44 स्थान की भारी छलांग मिली है। फाइनल में विजयी रन बनाने वाले डेविड बेडिंघम भी बल्लेबाजी रैंकिंग में 17 स्थान ऊपर चढ़कर अब 40वें स्थान पर हैं। तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में धमाकेदार गेंदबाजी की, जिसका उन्हें फायदा मिला और वे गेंदबाजी रैंकिंग में सात स्थान ऊपर चढ़कर पाकिस्तान के नसीम शाह और श्रीलंका के लाहिरू कुमारा के साथ 37वें स्थान पर आ गए हैं। कागिसो रबाडा ने एक बार फिर अपने क्लास का प्रदर्शन किया और वह गेंदबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर बरकरार हैं। उनके 868 रेटिंग अंक भारत के जसप्रीत बुमराह से थोड़े पीछे हैं लेकिन तीसरे स्थान पर मौजूद पैट कमिंस से 21 अंक आगे हैं।

करुण नायर की टेस्ट टीम में वापसी पर बोले केएल राहुल- उसकी वापसी वाकई काबिल-ए-तारीफ है

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच बहुप्रतीक्षित पांच मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने जा रही है। इस सीरीज में इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलने वाले बल्लेबाज केएल राहुल और करुण नायर एक बार फिर भारत की टेस्ट जर्सी में नजर आएंगे। उनके साथ स्पिनर कुलदीप यादव भी इस विदेशी दौरे पर टीम का हिस्सा होंगे। आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन करने वाले केएल राहुल ने अपने पुराने साथी करुण नायर की टीम में वापसी को लेकर खुशी जताई है। करुण नायर पूरे आठ साल बाद भारतीय टेस्ट टीम में लौटे हैं और राहुल ने उनके संघर्ष व मेहनत की सराहना की। उन्होंने एक बयान में कहा, ÷हमने 11 साल की उम्र में साथ क्रिकेट खेलना शुरू किया था और तब से यह सफर साथ चला है।

दोनों के करियर में उतार-चढ़ाव आए। करुण को मौका मिला, उन्होंने तिहरा शतक जड़ा, लेकिन इसके बाद उन्हें कई वजहों से मुश्किलों का सामना करना पड़ा। पर जो बात सबसे ज्यादा प्रेरणादायक रही, वो यह है कि पिछले 2-3 सालों में उन्होंने जिस तरह से प्रदर्शन किया है, वह काबिल-ए-तारीफ है। राहुल ने आगे कहा, उन्हें वापस बुनियादी चीजों पर लौटते देखना अच्छा लगा। हमने इंग्लैंड में उनके काउंटी क्रिकेट खेलने और वहां के अनुभवों पर बात की है वो चुनौतियां, वो संघर्ष। इन सबके बावजूद भारतीय टीम में वापसी की चाह बनाए रखना, अपने आप में सराहनीय है। मुझे उम्मीद है कि हम दोनों लंबे समय तक भारत के लिए खेल पाएंगे। अपनी व्यक्तिगत तैयारी को लेकर केएल राहुल ने बताया, आईपीएल खत्म होते ही मैंने इंग्लैंड सीरीज की तैयारी शुरू कर दी थी।

मैंने अपने कोच से भी बात की ताकि इस चुनौती के लिए खुद को तैयार कर सकूं। इंग्लैंड जाना हमेशा एक बड़ी चुनौती होती है, खासकर जब वे अपने घर में खेलते हैं। हमारी टीम काफी युवा है, ऐसे में यह सीरीज हम सबके लिए परीक्षा की तरह होगी। विराट कोहली और रोहित शर्मा पहले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर चुके हैं।

कंगना रनौत बनीं वर्ल्ड पैराए थलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 की ब्रांड एंबेसडर

एजेंसी

नई दिल्ली। पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने घोषणा की कि प्रसिद्ध अभिनेत्री और भाजपा नेत्री कंगना रनौत को नई दिल्ली में होने वाली वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 का आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। कंगना के इस जुड़ाव से भारत में पैरा स्पोर्ट्स को नई ऊर्जा, अधिक दृश्यता और समाज में समावेशन को बढ़ावा मिलेगा। ब्रांड एंबेसडर के रूप में कंगना रनौत संघर्ष, समावेशन और उत्कृष्टता जैसे मूल्यों का समर्थन करेंगी।अपने नए किरदार पर बात करते हुए कंगना ने कहा, भारत के पैरा एथलीट हर दिन यह साबित कर रहे हैं कि कुछ भी असंभव नहीं है। मुझे गर्व है कि मैं उनके साथ खड़ी हूं और उनकी उपलब्धियों को देश-दुनिया तक पहुंचाने में सहयोग कर पाऊंगी। पैरा स्पोर्ट सिर्फ प्रतियोगिता नहीं, बल्कि साहस की पहचान है और मैं हमारे चैंपियनों के पीछे मजबूती से खड़ी हूं। पैरालंपिक कमेटी के अध्यक्ष और दो बार के गोल्ड मेडल विजेता देवेंद्र झाझरिया ने कहा, हमें कंगना जी को अपने साथ जोड़कर बहुत खुशी हो रही है। उनकी प्रसिद्धि, जुनून और भारतीय खिलाड़ियों के प्रति समर्पण उन्हें इस चैंपियनशिप के लिए एक आदर्श एंबेसडर बनाता है। नई दिल्ली 2025 वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 100 से अधिक देशों के खिलाड़ी भाग लेंगे और यह अब तक का भारत में सबसे बड़ा पैरा-स्पोर्ट इवेंट होगा। 27 सितंबर से 5 अक्टूबर 2025 तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होने वाली इस प्रतियोगिता में 1000 से ज्यादा एथलीट अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगे। यह इस टूर्नामेंट का 12वां संस्करण होगा और पहली बार भारत इसकी मेजबानी कर रहा है। पीसीआई को उम्मीद है कि कंगना रनौत के जुड़ने से पैरालंपिक खेलों के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ेगी और आने वाली पीढ़ी को इससे प्रेरणा मिलेगी।

इंग्लैंड में होगी नई शुरुआत, गिल के नेतृत्व में बदलाव के दौर से गुजरने को तैयार टीम इंडिया

लीड्स। नया कप्तान, दृढ़ निश्चयी कोच, कुछ पुराने और कुछ नए चेहरे अगले 45 दिनों में एक दिलचस्प कहानी गढ़ने के लिए प्रतिबद्ध होंगे जब भारत शुक्रवार से यहां एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली जाने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में इंग्लैंड से भिड़ेगा। भारत अभी तक इंग्लैंड में केवल तीन बार टेस्ट श्रृंखला जीत पाया है। उसने 1971 में अजीत वाडेकर, 1986 में कपिल देव और 2007 में राहुल द्रविड़ की अगुवाई में यह उपलब्धि हासिल की थी। अब शुभमन गिल इस सूची में अपना नाम लिखवाने के लिए बेताब होंगे। लेकिन यह इतना आसान नहीं होगा क्योंकि विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन के संन्यास लेने के कारण भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है। इससे वह अनुभव के मामले में थोड़ा कमजोर नजर आती है। इस 25 वर्षीय कप्तान के लिए यह श्रृंखला अग्निपरीक्षा से कम नहीं होगी, क्योंकि इंग्लैंड की टीम ने ब्रेंडन मैकुलम की कोचिंग और बेन स्टोक्स की कप्तानी में टेस्ट मैच की बल्लेबाजी की परंपराओं को बदल दिया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम उनके आक्रामक रवैये का किस तरह से जवाब देती है। भारत के 37वें टेस्ट कप्तान के रूप में गिल का चयन इस बात पर अधिक आधारित था कि उनसे क्या अपेक्षा की जा सकती है। उनको यहां काफी कुछ साबित करना है।

हैम्पशायर काउंटी क्लब ने तिलक वर्मा के करार की पुष्टि की, चार रेड-बॉल मुकाबलों के लिए टीम में चयन

एजेंसी

नई दिल्ली। हैम्पशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने भारतीय युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा के साथ करार की पुष्टि की है। तिलक रेड-बॉल क्रिकेट के लिए टीम के साथ जुड़ेंगे और काउंटी चैम्पियनशिप के अगले चार मुकाबलों में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। उनका पहला मुकाबला 22 से 25 जून तक एसेक्स के खिलाफ चेल्म्सफोर्ड में होगा। भारतीय टीम की ओर से 29 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके तिलक वर्मा ने अब तक 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 749 रन बनाए हैं। इसमें दो शतक शामिल हैं, जो नवंबर 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार पारियों में आए थे। इसके अलावा उन्होंने तीन अर्धशतक भी जड़े हैं, जिसमें साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 72* रनों की पारी शामिल है। टी20 और खासकर आईपीएल में अपने प्रदर्शन के लिए चर्चित तिलक ने 2019 में छोटे फॉर्मेट में पदार्पण किया था। 2022 में मुंबई इंडियंस ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया और तब से उन्होंने फ्रेंचाइज़ी के लिए 54 मैचों में लगभग 1500 रन बनाए हैं। उनका औसत 37.47 और स्ट्राइक रेट 144.41 है। जून 2025 तक तिलक वर्मा टी20 अंतरराष्ट्रीय

में किसी भी पूर्ण सदस्य देश के बल्लेबाज़ों में सबसे ऊंचे औसत (49.93) के साथ शीर्ष पर हैं। हैम्पशायर के क्रिकेट निदेशक जाइल्स व्हाइट ने एक बयान में कहा, तिलक जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को अगले चार मुकाबलों के लिए टीम में पाकर हम बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच और आईपीएल में अपनी काबिलियत साबित की है, और अब हम उन्हें हैम्पशायर के लिए खेलते देखने को उत्सुक हैं। रेड-बॉल क्रिकेट में भी तिलक वर्मा का रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है। उन्होंने अब तक 18 फर्स्ट-क्लास मैच खेले हैं, जिसमें इंडिया ए के लिए दलीप ट्रॉफी और इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ दो मैच शामिल हैं। उन्होंने 50.16 के औसत से 1200 से अधिक रन बनाए हैं, जिसमें पांच शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। हैम्पशायर इस समय काउंटी चैम्पियनशिप डिविजन वन में सातवें स्थान पर है। पिछले सीज़न में क्लब ने 2005 के बाद अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए उपविजेता स्थान हासिल किया था।

फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025: वाल्वरडे ने गंवाया पेनल्टी मौका, अल हिलाल ने रियल मैड्रिड को ड्रॉ पर रोका

एजेंसी

मियामी। फेडेरिको वाल्वरडे द्वारा इंजरी टाइम में पेनल्टी चूकने के चलते रियल मैड्रिड को फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 में सऊदी अरब की टीम अल हिलाल के खिलाफ 1-1 के ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। यह मुकाबला मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेला गया, जिसमें 62,415 दर्शकों की भारी भीड़ मौजूद थी। रियल मैड्रिड के लिए यह नया युग था, क्योंकि क्लब के नए मैनेजर ज़ाबी अलोंसो की यह पहली आधिकारिक मुकाबला थी, लेकिन शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। वहीं अल हिलाल की कमान पहली बार संभाल रहे इटली के कोच सिमोने इंज़ागी ने अपने डेब्यू मुकाबले में टीम से शानदार प्रदर्शन करवाया। अल हिलाल ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और 19वें मिनट में सलेम अलदोसारी के वॉली पर मार्कोस लियोनार्डो का शॉट जरा सा बाहर चला गया। रेनान लोडी ने भी नेट में गेंद डाली, लेकिन वह प्रयास ऑफसाइड करार दिया गया। रियल धीरे-धीरे मैच में लौटने लगा और 31वें मिनट में रॉड्रिगो का शॉट बार के ऊपर से गया। आखिरकार 34वें मिनट में रियल को बढ़त मिली जब गैरमौजूद किलियन एम्बाप्पे की जगह खेल रहे गोंजालो ने शानदार काउंटर अटैक के दौरान रॉड्रिगो की क्रॉस पर बढ़िया फिनिश कर गोल दागा।हालांकि, अल हिलाल ने हिम्मत नहीं हारी और 41वें मिनट में मार्कोस लियोनार्डो पर राउल एसेन्सियो द्वारा फाउल के चलते मिली पेनल्टी को पुर्तगाल के रूबेन नेवेस ने आसानी से गोल में बदला और स्कोर 1-1 कर दिया। दूसरे हाफ में रियल ने तेज शुरुआत की। ब्रेक के बाद उतरे आर्दा गुलर ने विनीसियस जूनियर की क्रॉस पर वॉली मारी जो बार से टकरा गई। इसके बाद गोंजालो

के हेडर को गोलकीपर यासिन बोनू ने शानदार तरीके से रोक लिया। मैच के अंतिम पलों में रियल को एक बार फिर मौका मिला जब फ्रान गार्सिया को रोकने की कोशिश में मोहम्मद अल क़हतानी ने चेहरा हाथ से ढक लिया और रेफरी ने पेनल्टी दे दी। लेकिन फेडेरिको वाल्वरडे का शॉट बोनू ने डाइव लगाकर रोक लिया और अल हिलाल ने एक कीमती अंक अपने नाम किया।

BCCI को बड़ा झटका, बॉम्बे हाईकोर्ट ने 538 करोड़ रुपये चुकाने का दिया आदेश

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने हाल ही में एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने उस मध्यस्थता फैसले को बरकरार रखा है जिसमें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को अब बंद हो चुकी आईपीएल टीम कोच्चि टस्कर्स केरल को 538 करोड़ रुपये का भुगतान करने को कहा गया है।कोच्चि टस्कर्स केरल टीम ने 2011 में आईपीएल का सिर्फ एक ही सीजन खेला था। उस सीजन के बाद बीसीसीआई ने उनका अनुबंध यह कहकर रद्द कर दिया कि उन्होंने समय पर बैंक गारंटी जमा नहीं की, जो कि समझौते की शर्तों में शामिल था। इस पर फ्रेंचाइजी ने मामला मध्यस्थता में ले जाया और 2015 में फैसला उनके पक्ष में आया। मध्यस्थ ने कहा कि बीसीसीआई को फ्रेंचाइजी मालिकों को कुल 550 करोड़ रुपये देने चाहिए - जिसमें से 384 करोड़ रुपये कोच्चि क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड और 153 करोड़ रुपये रेंडेजवस स्पोर्ट्स वर्ल्ड को मिलने थे। बीसीसीआई ने इस फैसले को अदालत में चुनौती दी और कहा कि यह फैसला गलत है। लेकिन हाई कोर्ट ने कहा कि मध्यस्थता अधिनियम की धारा 34 के तहत कोर्ट सिर्फ तय नियमों के आधार पर हस्तक्षेप कर सकती है, न कि फैसले की गहराई में जाकर जांच कर सकती है। इसलिए कोर्ट ने बीसीसीआई की अपील खारिज कर दी।

विराट के खिलाफ नहीं खेलना निराशाजनकः स्टोक्स ने कोहली को लिखित भेजा संदेश

लीड्स। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा कि टेस्ट श्रृंखला में विराट कोहली जैसे प्रतिद्वंद्वी का सामना नहीं करना निराशाजनक है और उन्हें लगता है कि इस दिग्गज स्टार की अनुपस्थिति से भारतीय टीम में उनके जुझारूपन और जीतने की इच्छा की कमी दिखेगी। कोहली ने पिछले महीने खेल के पारंपरिक प्रारूप से संन्यास की घोषणा की थी। इससे कुछ दिन पहले लंबे समय के उनके साथी और कप्तान रोहित शर्मा ने भी संन्यास लेने का फैसला किया था। इससे भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टीम को ब्रिटेन भेजा है। इंग्लैंड क्रिकेट द्वारा जारी एक वीडियो में स्टोक्स ने बताया कि कोहली के संन्यास से भारत को किस चीज की कमी खलेगी।

सीपीएल 2025 : डिफेंडिंग चैंपियन सेंट लूसिया किंग्स ने टिम डेविड के साथ किया करार

एजेंसी

नई दिल्ली। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2025 के लिए डिफेंडिंग चैंपियन सेंट लूसिया किंग्स ने आईपीएल विजेता टिम डेविड को ड्राफ्ट के पहले राउंड में अपनी टीम में शामिल किया है। हालांकि, टीम इस बार अपने कप्तान फाफ डु प्लेसिस के बिना मैदान में उतरेगी, जिन्होंने इस बार सीपीएल के बजाय 'द हंड्रेड' में खेलने को प्राथमिकता दी है। डु प्लेसिस सदर्न ब्रेव के लिए खेलेंगे, जो कि आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक जीएमआर ग्रुप की संभावित नई संपत्ति है। जीएमआर ग्रुप ने पिछले साल होस्ट काउंटी हैम्पशायर का अधिग्रहण किया था। इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोईन अली, जिन्होंने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से

संन्यास लिया था, इस बार 'द हंड्रेड' छोड़कर सीपीएल खेलेंगे। उन्हें गयाना अमेजन वॉरियर्स ने सातवें राउंड में दोबारा साइन किया। वहीं इमरान ताहिर (46 वर्ष) को भी अमेजन वॉरियर्स ने पहले पिक के रूप में बनाए रखा। दिग्गज स्पिनर राशिद खान इस बार भी सीपीएल में नहीं खेलेंगे, लेकिन अफगानिस्तान के अन्य खिलाड़ियों की उपस्थिति बनी रहेगी। एएम गजनफर, जो इस समय टी20 ब्लास्ट में डर्बीशायर के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, फाल्कन्स में शामिल होंगे।त्रिनबागो नाइट राइडर्स (टीकेआर) ने मोहम्मद आमिर और पहली बार खेलने जा रहे उस्मान तारीक को साइन किया है। फाल्कन्स ने इमाद वसीम और शाकिब अल हसन को अपनी शुरुआती पसंद के रूप में जोड़ा। बारबाडोस रॉयल्स के लिए मुझेब उर रहमान और अजमतुल्लाह ओमारजई वापसी करेंगे। ग्लेन फिलिप्स अमेजन वॉरियर्स में शामिल होंगे, जबकि टिम सिफर्ट किंग्स में बने रहेंगे। कोलिन मुनरो और डैरेन ब्रावो टीकेआर में वापसी करेंगे, जहां ड्वेन ब्रावो अब मुख्य कोच की भूमिका में होंगे।

आईएसएल 2025-26: मुंबई सिटी एफसी में जॉर्ज पेरेरा डियाज की वापसी

एजेंसी

मुंबई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब मुंबई सिटी एफसी ने अर्जेंटीना के स्टार स्ट्राइकर जॉर्ज पेरेरा डियाज की 2025-26 सीजन के लिए वापसी की घोषणा की है। डियाज एक सीजन बेंगलुरु एफसी में बिताने के बाद अपने पुराने क्लब में फिर से शामिल हो रहे हैं, जहां उन्होंने पहले शानदार प्रदर्शन कर फैंस के दिलों में खास जगह बनाई थी।अपने पहले कार्यकाल में डियाज ने मुंबई सिटी के लिए कुल 53 मैचों में 27 गोल और 10 असिस्ट किए थे। उन्होंने क्लब को 2022-23 में लीग शील्ड और 2023-24 में आईएसएल कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उनकी वापसी से मुंबई की अटैकिंग लाइन को न केवल मजबूती मिलेगी, बल्कि अनुभव और आत्मविश्वास की नई ऊर्जा भी टीम में आएगी। जॉर्ज पेरेरा डियाज ने वापसी पर कहा कि मुंबई सिटी में वापस आना मेरे लिए बेहद खास है। यहां के लोगों, फैंस और क्लब ने हमेशा मुझे घर जैसा महसूस कराया। मैं फिर से इस जर्सी को पहनने और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए पूरी तरह तैयार हूं। मुंबई सिटी एफसी के डायरेक्टर ऑफ फुटबॉल सुझय शर्मा ने कहा, डियाज़ को वापस लाना हमारे लिए गर्व की बात है। वह न केवल एक शानदार गोल स्कोरर हैं, बल्कि टीम भावना, ऊर्जा और अनुभव भी लेकर आते हैं। वह क्लब की संस्कृति को समझते हैं और हमारे आने वाले सीजन के लिए अहम भूमिका निभाएंगे।

फर्स्ट हॉकी इंडिया मास्टर्स कपः पहले दिन कर्नाटक, तमिलनाडु और पंजाब की धमाकेदार जीत

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई में शुरू हुए फर्स्ट हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025 में पहले दिन महिला और पुरुष वर्ग में कुल चार मुकाबले खेले गए, जहां हॉकी कर्नाटक, हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु और हॉकी पंजाब ने शानदार जीत दर्ज की। वहीं, महिला वर्ग में हॉकी महाराष्ट्र को हॉकी हिमाचल के खिलाफ आधिकारिक फॉरफिट के जरिए 5-0 की जीत मिली।

कर्नाटक ने रचा इतिहास, स्नेहा की हैट्रिक से 7-0 की बड़ी जीत

महिला वर्ग के पहले मुकाबले में हॉकी कर्नाटका ने केरल हॉकी को 7-0 से रौंदा। इस मुकाबले में स्नेहा सी (15', 17', 50') ने टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक लगाई और टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। कप्तान के.के. कृतिक (42', 55') ने दो

गोल किए, जबकि उषा विनायकुमार (22') और जोसेफिन लोरे सिक्वेरा (50') ने भी एक-एक गोल दागा।

महाराष्ट्र को मिला वॉकओवर

दूसरे महिला मुकाबले में हॉकी महाराष्ट्र को हॉकी हिमाचल के खिलाफ आधिकारिक वॉकओवर मिला, जिसके तहत उन्हें 5-0 से विजेता घोषित किया गया।

पंजाब ने रोमांचक मुकाबले में ले पुडुचेरी को हराया

पुरुष वर्ग में हॉकी पंजाब और ले पुडुचेरी हॉकी के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले में पंजाब ने 3-2 से जीत दर्ज की। पंजाब की ओर से पवनींदर सिंह (15'), धर्मपाल सिंह (36') और कप्तान रिपुदमन कुमार (42') ने गोल किए। वहीं पुडुचेरी की ओर से दिल्हिगणेश (21') और एन. कमलाकन्नन (47') ने वापसी की कोशिश की, लेकिन टीम हार टाल नहीं सकी।

दिन के अंतिम मुकाबले में हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु ने केरल हॉकी को 8-0 से करारी शिकस्त दी। रामदास वी (14', 44') ने दो गोल दागे और बाकी छह गोल सुधर्शन एस (28'), थमरैकन्नन (32'), कप्तान एडम एंटनी सिनक्लेयर (34'), विनोद कुमार एपी (35'), सेड्रिक मार्सेलिन डी क्रूज (40') और सतीश कुमार (43') ने किए।

हर्षित राणा को मौका मिलने पर मुकेश कुमार का फूटा गुस्सा, कहा- कर्म माफ नहीं करता

नई दिल्ली। इंग्लैंड दौरे के लिए ना चुने जाने पर भारतीय क्रिकेटर मुकेश कुमार का गुस्सा फूटा है। भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज कल 20 जून से शुरू होगी। हाल ही में भारतीय टीम ने हर्षित राणा को 19वें टीम सदस्य के रूप में टीम में शामिल किया जिसके बाद मुकेश कुमार खुद पर काबू नहीं रख पाए और सोशल मीडिया पर टीम में ना चुने जाने पर भड़ास निकाली है। मुकेश ने इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम में ना चुने जाने पर इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, कर्म अपना समय लेता है, आपको हमेशा सावधान रहना होगा। कर्म माफ नहीं करता और हमेशा उसका फल मिलता है। सोशल मीडिया पर मुकेश की स्टोरी काफी वायरल हो रही है।

एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीगः रोमांचक मुकाबले में भारत ने अर्जेंटीना से खेला ड्रा, शूटआउट में हारकर चूका बोनस अंक

एजेंसी

लंदन। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार जुझारूपन दिखाते हुए दो गोल से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी की, लेकिन एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के मुकाबले में अर्जेंटीना से 2-2 की बराबरी के बाद शूटआउट में 0-2 से हारकर बोनस अंक हासिल करने में असफल रही। यह मुकाबला लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में खेला गया। अर्जेंटीना के लिए एगुस्टीना गॉरजेलैनी ने 27वें और 37वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के जरिए दो गोल किए और टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी। हालांकि अंतिम क्वार्टर में भारत ने जबरदस्त वापसी करते हुए नवनीत कौर (50') और दीपिका (56') के गोलों की मदद से स्कोर बराबर कर दिया। शुरुआती क्वार्टर में दोनों टीमों ने रक्षात्मक खेल दिखाया और कोई गोल नहीं हो सका।

अर्जेंटीना की हाई प्रेस रणनीति के सामने भारतीय फॉरवर्ड्स को मौके बनाने में परेशानी हुई, फिर भी शरमिला देवी और सुनलिता टोप्पो जैसे खिलाड़ियों ने कुछ अच्छे मूव्स बनाकर अर्जेंटीना की रक्षापंक्ति को चुनौती दी। दूसरे क्वार्टर में भारत को 25वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन नवनीत का जोरदार शॉट अर्जेंटीना की गोलकीपर क्रिस्टीना कोसेंटिनो ने शानदार बचाव करते हुए रोक लिया। तीसरे क्वार्टर में अर्जेंटीना ने बढ़त को दोगुना किया। भारत ने इस दौरान कई बार सर्कल में प्रवेश किया और गोल करने की कोशिश की, लेकिन अर्जेंटीना की रक्षापंक्ति और गोलकीपर ने उसे रोके रखा। आखिरी क्वार्टर में भारत ने आक्रामक रुख अपनाते हुए पहले नवनीत और फिर दीपिका के गोल की मदद से स्कोर 2-2 कर दिया। मैच निर्धारित समय तक बराबरी पर समाप्त हुआ, जिसके बाद शूटआउट के जरिए बोनस अंक के लिए मुकाबला हुआ। भारत की ओर से कोई खिलाड़ी शूटआउट में गोल नहीं कर सकी, जबकि अर्जेंटीना के ब्रिसा ब्रुगेसर और सोफिया कैइरो ने सफलतापूर्वक गोल करते हुए अपनी टीम को बोनस अंक दिलाया।

चेन्नई बुल्स का अजेय दौर जारी, दिल्ली रेडज़ ने जीएमआर आरपीएल में सीज़न की पहली जीत की दर्ज

एजेंसी

मुंबई। चेन्नई बुल्स ने मुंबई में शहाजी राजे भोसले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स) में जीएमआर आरपीएल के सीज़न 1 में अपनी अजेय दौड़ जारी रखी। इस बीच दिल्ली रेडज़ ने भी मुंबई ड्रीमर्स के खिलाफ प्रतियोगिता में अपनी पहली जीत हासिल की, जो अभी तक एक भी गेम नहीं जीत पाए थे। चेन्नई बुल्स और कलिंगा ब्लैक टाइगर्स ने दिन के पहले मैच में एकथ्रिलर खेला, जो 26-26 पर समाप्त हुआ, और उसके बाद दिल्ली रेडज़ ने मुंबई ड्रीमर्स को 20-7 के अंतर से हराया। ऐसे में चेन्नई बुल्स अंक तालिका में शीर्ष स्थान बरकरार है। मुकाबले में कलिंगा ब्लैक टाइगर्स, जो सबसे तेज़ ब्लॉक्स से बाहर निकले, पेरी बेकर ने खेल का पहला प्रयास किया और मॉरिस लॉन्गबॉटम ने भी तुरंत परिवर्तित किया। इसके बाद चेन्नई बुल्स ने जोकिन पेलैंडिनी के प्रयास और किक के साथ समानता हासिल की। यह तूफान से पहले की शांति थी, क्योंकि टाइगर्स ने हाफ-टाइम से पहले गियर बदले, काइल ट्रेम्बले और जेम्स थिएल ने हर बार एक प्रयास जोड़ा और लॉन्गबॉटम ने एक और किक परिवर्तित की। ब्रेक से ठीक पहले आर्यन दीक्षित ने बुल्स के लिए एक प्रयास किया, क्योंकि दोनों टीमें सात अंकों के अंतर के साथ आराम करने चली

गईं। दूसरे हाफ की शुरुआत में, बुल्स ने फिलिप सौतुरागा के एक प्रयास को स्कोर करने और परिवर्तित करने के साथ चीजों को स्तर दिया। हालांकि, अंतिम तिमाही में, कलिंगा ब्लैक टाइगर्स आगे बढ़ गए क्योंकि अजय देसवाल ने एक प्रयास किया और लॉन्गबॉटम ने एक बार फिर से खंभे के बीच में रखा। जैसे ही कलिंगा ब्लैक टाइगर्स सीज़न की अपनी पहली जीत के लिए तैयार दिख रहे थे, वाफ़ाउसे मालिको ने एक प्रयास किया और जोकिन पेलैंडिनी ने अपने किक को विंग से परिवर्तित किया, जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि बुल्स खेल नहीं हारेंगे। दिन के दूसरे मैच में, दिल्ली रेडज़ के सामने मुंबई ड्रीमर्स थे। यह ड्रीमर्स थे जिन्होंने मजबूती से शुरुआत की क्योंकि जेम्स टर्नर ने एक प्रयास किया और अकश बाल्मीकि ने उसके बाद परिवर्तित किया। इसके बाद से, ड्रीमर्स ने हाफ-टाइम तक बढ़त बनाए रखने के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। हालांकि, ब्रेक के बाद दिल्ली रेडज़ ने प्रतियोगिता में वापसी की। अलेजांद्रो लाफोर्गा ने पहले एक प्रयास किया, जबकि जॉर्डन कॉनरॉय ने दो और जोड़े, जिसे दीपक पुनिया के खेल के अंतिम कदम के साथ परिवर्तित किया गया। दीपक पुनिया ने एक ड्रॉप किक भी बनाया, जिससे उनकी टीम ने रात में 20-7 की व्यापक जीत दर्ज की।

ईरान की कड़ी चेतावनी- दबाव में नहीं करेंगे कोई वार्ता या समझौता

एजेंसी

न्यूयॉर्क/तेहरान। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के सर्वोच्च नेता को आसान निशाना कहे जाने और अल्टीमेटम दिए जाने पर ईरान ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। संयुक्त राष्ट्र में ईरानी मिशन ने स्पष्ट किया है कि देश दबाव में न तो वार्ता करेगा और न ही किसी शांति प्रस्ताव को स्वीकार करेगा। संयुक्त राष्ट्र में ईरानी मिशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स पर बयान जारी करते हुए कहा, 'ट्रंप के झूठ से भी ज्यादा शर्मनाक है उनका कायरतापूर्ण बयान कि वे ईरान के सर्वोच्च नेता को 'टेक आउट' कर सकते हैं।ईरानी मिशन ने कहा, 'ईरान दबाव में न तो वार्ता करता है, न ही शांति स्वीकार करता है, और निश्चित रूप से ऐसा किसी पुराने युद्धोन्मादी से नहीं जो अब अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने की कोशिश कर रहा हो। ईरान ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार के खतरे का जवाब 'प्रत्युत्तर में खतरे' से और किसी भी कार्रवाई का जवाब 'समान कदमों' से दिया जाएगा। इससे पहले आज ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने ईरान को अल्टीमेटम अल्टीमेटम दिया है और वह ईरान में सैन्य हस्तक्षेप के विकल्प पर विचार कर रहे हैं।ईरान और अमेरिका के बीच तीखी बयानबाजी और बढ़ती सैन्य तनातनी ने पश्चिम एशिया में तनाव को और अधिक गहरा कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस टकराव को रोकने के लिए कूटनीतिक प्रयासों की वकालत कर रहा है।

ईरान-इजराइल तनाव के बीच अमेरिका ने शुरू की अपने नागरिकों की निकासी की योजना

वॉशिंगटन/यरूशलम। अमेरिका के विदेश विभाग ने यरूशलम और इजराइल में मौजूद अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षित निकासी के लिए विशेष उड़ानों और क्रूज जहाजों की योजना पर काम शुरू कर दिया है। यह जानकारी इजराइल में अमेरिका के राजदूत माइक हकाबी ने दी। राजदूत हकाबी ने अपने व्यक्तिगत एक्स अकाउंट पर लिखा, अत्यावश्यक सूचना! इजराइल छोड़ना चाहने वाले अमेरिकी नागरिकों के लिए अमेरिकी दूतावास निकासी उड़ानों और क्रूज रवानगी पर काम कर रहा है। इस पोस्ट को बाद में आधिकारिक फेसबुक पेज पर भी साझा किया गया। इस बीच, यरूशलम स्थित अमेरिकी दूतावास तक के लिए बंद कर दिया गया है, जिससे हालात की गंभीरता का संकेत मिलता है। हकाबी ने बताया कि अमेरिका में रह रहे या इजराइल की यात्रा कर रहे सभी अमेरिकी नागरिकों को स्मार्ट ट्रैवलर एनरोलमेंट प्रोग्राम (स्टेप) में अपना पंजीकरण कराना आवश्यक है, ताकि उन्हें समय-समय पर आवश्यक सूचनाएं भेजी जा सकें। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि निकासी अभियान कब से शुरू होगा। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अमेरिका के विदेश विभाग ने बीते दिन मंगलवार को यह जानकारी दी थी कि इजराइल और अन्य पश्चिम एशियाई देशों में फंसे अमेरिकी नागरिकों की सहायता के लिए एक विशेष कार्यबल का गठन किया गया है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला: टेनेसी में ट्रांसजेंडर बच्चों के जेंडर-परिवर्तन उपचार पर रोक को मंजूरी

वॉशिंगटन। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने टेनेसी राज्य में ट्रांसजेंडर नाबालिगों के लिए जेंडर-परिवर्तन (जेंडर-अफर्मिंग) चिकित्सा सेवाओं पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून को बरकरार रखते हुए ट्रांसजेंडर समुदाय को झटका दिया है। यह फैसला 6-3 के बहुमत से आया है, जिसमें न्यायालय के रूढ़िवादी बहुमत ने इस कानून को संविधान सम्मत ठहराया। प्रधान न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने बहुमत की राय लिखते हुए कहा कि यह मामला चिकित्सा के एक उभरते क्षेत्र में गहन वैज्ञानिक और नीतिगत बहस से जुड़ा है और संविधान का समता संरक्षण खंड इन बहसों को हल करने का उपकरण नहीं है। उन्होंने लिखा, यह मामला गहन वैज्ञानिक बहसों और समाज पर गहरे प्रभावों से जुड़ा है। संविधान का समता संरक्षण खंड इन मतभेदों को हल नहीं करता और न ही हमें इन्हें हमारी मर्जी से तय करने का अधिकार देता है। इस फैसले के विरोध में न्यायमूर्ति सोनिया सोतोमायोर ने उदास स्वर में असहमति जताई। उन्होंने कहा, यह निर्णय उन ट्रांसजेंडर बच्चों और उनके परिवारों को राजनीतिक रहमोकरम पर छोड़ देता है, जिन्हें न्याय की सबसे अधिक आवश्यकता है।

ईरान अभियान में नेतन्याहू को ट्रंप की खुली छूट, कहा - 'जारी रखो'

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को ईरान में अपने सैन्य अभियान को जारी रखने की सलाह दी है। व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से बातचीत में डोनाल्ड ट्रंप ने खुलासा किया कि उन्होंने नेतन्याहू से कहा, जारी रखो। ट्रंप ने बताया कि वे नेतन्याहू से हर दिन बात करते हैं और उन्हें एक अच्छा इंसान बताया जो बहुत कुछ कर रहे हैं। इस दौरान पत्रकारों ने सवाल कि क्या उन्होंने इजराइल को अतिरिक्त अमेरिकी समर्थन देने का कोई संकेत दिया है, तो ट्रंप ने कहा, नहीं। फिलहाल वह अच्छा काम कर रहे हैं। वहीं, ट्रंप ने नेतन्याहू के खिलाफ चल रहे कानूनी मामलों को बिलकुल बेहूदा बताया और कहा कि वह एक युद्धकालीन प्रधानमंत्री हैं और इस बकवास से गुजर रहे हैं।

कनाडा की तरफ से खालिस्तानी 'चरमपंथ' को स्वीकार करना महत्वपूर्ण परिणाम : अमित मालवीय

एजेंसी

टोरंटो। भाजपा नेता अमित मालवीय ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल की कनाडा यात्रा से जुड़ी एक बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कनाडा ने पहली बार आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया है कि खालिस्तानी उग्रवादी कनाडाई धरती का इस्तेमाल भारत में हिंसा को बढ़ावा देने के लिए कर रहे हैं। मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ÷यह पहली बार है, जब कनाडा ने खालिस्तानियों के लिए उग्रवाद शब्द का आधिकारिक इस्तेमाल किया है।उन्होंने कनाडाई खुफिया एजेंसी के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें भारत विरोधी ताकतों की गतिविधियों का उल्लेख था।मालवीय ने कहा, ÷कनाडा की शीर्ष खुफिया एजेंसी कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा ने पहली बार आधिकारिक तौर पर माना है कि खालिस्तानी उग्रवादी कनाडा

को भारत में हिंसा को बढ़ावा देने, धन जुटाने और योजना बनाने के लिए उपयोग कर रहे हैं। मालवीय ने भारत सरकार की इस कूटनीतिक सफलता पर जोर दिया कि उसने कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की सरकार को खालिस्तानी उग्रवादियों के खतरे के बारे में समझाने में सफलता हासिल की। उन्होंने कहा, एजेंसी की ताजा रिपोर्ट स्पष्ट रूप से कहती है कि खालिस्तानी उग्रवादी कनाडा को मुख्य रूप से भारत में हिंसा को बढ़ावा देने, धन जुटाने और योजना बनाने के लिए आधार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, ÷यह एक बड़ी बात को मानना है। भारत की ओर से वर्षों तक चिंता जताने के बावजूद कनाडा ने इसे काफी हद तक अनदेखा किया था। लेकिन, अब उसकी अपनी खुफिया एजेंसी ने वही पुष्टि की है, जो भारत सरकार लंबे समय से कह रही है। कनाडा भारत विरोधी तत्वों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन गया है।मालवीय ने कहा, इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि यह पहली बार है, जब कनाडा ने खालिस्तानियों के संबंध में आधिकारिक तौर पर चरमपंथ शब्द का इस्तेमाल किया है। यह टिप्पणी जी7 शिखर सम्मेलन 2025 के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और कनाडाई प्रधानमंत्री कार्नी की मुलाकात के संदर्भ में आई है।

रूस ने यूक्रेन के 81 यूएवी रोके या मार गिराए

एजेंसी

मास्को। रूस की वायुरक्षा प्रणालियों ने रात भर में देश के 11 स्थानों में 81 यूक्रेनी मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) को रोका या नष्ट कर दिया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने आज यह जानकारी दी। यूक्रेन ने रात लगभग नौ बजे से सुबह तक कई स्थानों पर यूएवी हमले का प्रयास किया। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास की खबर के अनुसार, रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा, 18 जून को रात 9:20 बजे मास्को समय (जीएमटी +3) से लेकर 19 जून को सुबह 6¬40 बजे तक 81 यूक्रेनी फिक्स्ड-विंग यूएवी को वायुरक्षा इकाइयों ने रोका या नष्ट कर दिया। ब्रांस्क क्षेत्र में 19, कुर्स्क क्षेत्र में 17, स्मोलेंस्क क्षेत्र में 13, वोल्गोग्राड क्षेत्र में सात, ओर्योल क्षेत्र में छह, रोस्तोव क्षेत्र में पांच, क्रीमिया गणराज्य में पांच, बेलगोरोड में तीन, अस्त्राखान क्षेत्रों में तीन, रियाजान क्षेत्र में दो और मास्को क्षेत्र में एक यूएवी को या रोक दिया गया या मार

गिराया गया। ब्रांस्क क्षेत्र के गवर्नर अलेक्जेंडर बोगोमाज ने कहा कि सीमावर्ती रूसी क्षेत्र में 19 फिक्स्ड-विंग यूएवी नष्ट होने के बाद कोई चोट या क्षति नहीं हुई। न ही रियाजान क्षेत्र के गवर्नर पावेल मालकोव ने ड्रोन हमले के बाद किसी नुकसान की सूचना दी।

एक्सचेंज बिल्डिंग पर ईरानी मिसाइल हमले के बाद भी इजरायल का शेयर बाजार 52 हफ्तों के उच्चतम स्तर पर

एजेंसी

इजरायल। ईरान द्वारा स्टॉक एक्सचेंज की बिल्डिंग पर मिसाइल हमले के बावजूद तेल-अवीव का शेयर बाजार गुरुवार को 52 हफ्तों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जो दिखाता है कि इजरायल-ईरान संघर्ष के बीच निवेशकों का भरोसा घरेलू शेयर बाजार पर बना हुआ है।

इजरायल की लोकल मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, सुबह ईरान द्वारा इजरायल पर 25 मिसाइलों से किए गए नए अटैक में तेल-अवीव स्टॉक एक्सचेंज की बिल्डिंग को भी नुकसान पहुंचा है।

हालांकि, इस मिसाइल हमले का इजरायली शेयर बाजार पर कोई खास असर नहीं हुआ, बल्कि वहां का स्टॉक मार्केट 52 हफ्तों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

तेल-अवीव स्टॉक एक्सचेंज का ऑल शेयर इंडेक्स 0.5 प्रतिशत बढ़कर 52 हफ्तों के उच्चतम स्तर 2,574 पर बना हुआ है। इसके अलावा, अन्य मुख्य इंडेक्स जैसे टीए -35 और टीए-

125 भी हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं और अपने 52 हफ्तों के उच्चतम स्तर क्रमशः 2,810 और 2,850 पर बने हुए हैं। इजरायली स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख इंडेक्स टीए 125 में 13 जून को ईरान और इजरायल के बीच युद्ध की शुरुआत के बाद से ही तेजी देखी जा रही है और इस दौरान यह लगभग 5 प्रतिशत बढ़ चुका है।जून में अब तक इस इंडेक्स में लगभग 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं, मई में इसमें 6.55 प्रतिशत और अप्रैल में 4.53 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान के मिसाइल हमलों में दक्षिणी इजरायल में मौजूद एक बड़े हॉस्पिटल को भी नुकसान पहुंचा है।इस ईरानी हमले के बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने चेतावनी दी है कि दक्षिणी इजराइल के बीर्शेबा में सोरोका अस्पताल पर हमले के बाद ईरान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी, जबकि रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि सेना को ईरान पर हमले तेजकरने का आदेश दिया गया है।

ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमले में सोरोका अस्पताल, इजराइल की बमबारी में अराक जल रिएक्टर को क्षति

एजेंसी

तेल अवीव (इजराइल)/तेहरान । ईरान और इजराइल के बीच छिड़े सैन्य संघर्ष के सातवें दिन दोनों की सरजमीं पर भारी तबाही हुई है। इजराइल का कहना है कि ईरान ने आज उसके आबादी वाले क्षेत्रों और अस्पतालों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। ईरान ने कहा कि इजराइल ने सुबह उसके अराक भारी जल रिएक्टर पर बमबारी की है। अमेरिका के सीएनएन चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइली सैन्य अधिकारी ने कहा कि ईरान ने आज दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। इनमें से कई मिसाइलें नागरिक इलाकों पर गिरीं। इससे दक्षिणी इजरायल के प्रमुख सोरोका अस्पताल सहित कई आबादी वाले इलाकों पर भारी क्षति हुई है। अधिकारी ने बताया कि इजराइल डिफेंस फोर्सेज होमफ्रंट कमांड सर्च एंड रेस्क्यू टीमों को प्रभावित जगहों पर भेजा गया है। इस अधिकारी ने कहा कि दक्षिणी इजराइली शहर बेयर-शेवा में एक और प्रमुख अस्पताल ईरानी हमलों में क्षतिग्रस्त हो गया। सोरोका मेडिकल सेंटर की प्रवक्ता ने कहा कि नुकसान का आकलन किया जा रहा है। इस हमले में विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक क्षति हुई है। यह अस्पताल इजराइल के प्रमुख चिकित्सा केंद्रों में से एक है। बम बरसाए हैं। यह स्थान राजधानी तेहरान से लगभग 155 मील (250 किलोमीटर) दक्षिण-पश्चिम में है। यह एक परमाणु सुविधा केंद्र है। स्थानीय समयानुसार सुबह 6 बजे के आसपास सुविधा पर दो प्रोजेक्टाइल दागे गए।

इमारत का बड़ा हिस्सा मलबे के ढेर में बदल चुका है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि ईरानी मिसाइलों के ताजा हमले के बाद खोज और बचाव दल देश भर में कई स्थानों पर काम कर रहे हैं। इस हमले में तेल अवीव में एक बहुमंजिला इमारत क्षतिग्रस्त हो गई है। इस बीच ईरान ने कहा कि इजराइल ने आज उसके अराक भारी जल रिएक्टर पर हालांकि गंभीर नुकसान नहीं हुआ है। इससे पहले इजराइल ने अराक के पास रहने वाले निवासियों को निकासी की चेतावनी जारी की थी।सनद रहे कि अराक भारी जल रिएक्टर अमेरिका और अन्य शक्तियों के साथ 2015 के परमाणु समझौते का केंद्र बिंदु था। इजराइल सात दिन के भीतर ईरान के नतांज और इस्फहान परमाणु सुविधा केंद्र पर हमला कर चुका है।

अमेरिका ने कुछ दूतावास कर्मियों और परिवार के सदस्यों को सैन्य विमान से इजराइल से निकाला

वॉशिंगटन/तेल अवीव। इजराइल और ईरान संघर्ष के बीच अमेरिका ने इजराइल में तैनात कुछ दूतावास कर्मियों और उनके परिवारजनों को अमेरिकी सैन्य विमान के जरिए वहां से निकाला है। यह जानकारी अमेरिकी मीडिया की एक रिपोर्ट से मिली है।

हालांकि, अमेरिकी दूतावास को पूरी तरह खाली करने का कोई आदेश फिलहाल जारी नहीं किया गया है और राजनयिकों या उनके परिजनों को अनिवार्य रूप से देश छोड़ने के लिए बाध्य नहीं किया गया है। यह निकासी स्वैच्छिक अधिकृत प्रस्थान नीति के तहत की गई, जो पिछले सप्ताहांत से लागू है। जानकारी के मुताबिक कुछ अमेरिकी नागरिक स्थलीय मार्ग से जॉर्डन के रास्ते भी देश छोड़ चुके हैं। अमेरिकी दूतावास के एक प्रवक्ता ने बताया कि चालू हालात को देखते हुए और

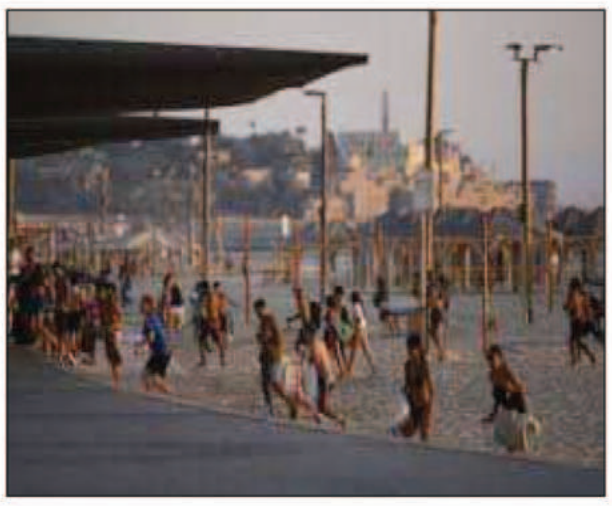

दूतावास के अधिकृत प्रस्थान स्थिति के तहत मिशन के कर्मचारी विभिन्न माध्यमों से इजराइल से प्रस्थान कर रहे हैं।

इससे पहले, अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी ने कहा था कि अमेरिका उन नागरिकों के लिए विमानों और क्रूज जहाजों के माध्यम से निकासी की व्यवस्था कर रहा है, जो इजराइल छोड़ना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि ईरान और इजराइल के बीच चल रहे सैन्य संघर्ष के चलते इजराइल में सुरक्षा स्थिति तेजी से बिगड़ी है। अमेरिका पहले ही अपने नागरिकों को एसटीईपी (स्मार्ट ट्रेवलर इनरोलमेंट प्रोग्राम) के माध्यम से अलर्ट पर रहने और पंजीकरण करने की सलाह दे चुका है।

अमेरिका ने नेपाल में अपनी एमसीसी परियोजना को आगे बढ़ाने की दी मंजूरी

एजेंसी

काठमांडू। अमेरिका ने विदेशी सहायता पर 90 दिनों के लिए रोक लगाने के बीच अपने फैसले पर पुनर्विचार करते हुए मिलेनियम चैलेंज कॉम्पैक्ट (एमसीसी) के लिए आर्थिक अनुदान को निरंतरता देने का संकेत दिया है। एमसीसी परियोजना के तहत अमेरिकी प्रशासन नेपाल को 50 करोड़ डॉलर का आर्थिक पैकेज देने का समझौता किया है। नेपाल में ट्रांसमिशन लाइन बनाने के लिए इस रकम का प्रयोग होना है। वैसे तो इस काम के लिए टेंडर निकालने का काम भी हो गया है। लेकिन अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के कारण ट्रंप प्रशासन ने सभी प्रकार के विदेशी आर्थिक सहायता को बंद करने का निर आय लिया जिसके बाद से ही इस परियोजना को बीच में ही बंद करना पड़ गया था। फरवरी 2025 में विदेश मंत्री द्वारा अनुमोदित यह छूट तब आई है जब अमेरिकी सरकार दुनिया भर में अपने विदेशी सहायता कार्यक्रमों को रोक दिया है। यह निर्णय नेपाल को एमसीसी द्वारा उपलब्ध कराए गए आर्थिक सहयोग के साथ आगे बढ़ने की उम्मीद बढ़ गई है। नेपाल में अमेरिकी दूतावास ने एक बयान जारी कर एमसीसी परियोजना को नेपाल के वित्त मंत्रालय और परियोजना के कार्यान्वयन निकाय मिलेनियम चैलेंज अकाउंट नेपाल (एमसीए-नेपाल) के सहयोग से आगे बढ़ाने की जानकारी दी गई है। दूतावास ने कहा है कि समझौते के तहत मौजूदा और संभावित दोनों नए दायित्वों को दोनों सरकारों की प्राथमिकताओं के अनुरूप बनाया जा रहा है।अमेरिका ने एमसीसी के चल रहे निष्पादन में पारदर्शिता, सुदृढ़ शासन, कुशल परियोजना वितरण और विवेकपूर्ण जोखिम प्रबंधन के महत्व पर जोर दिया है।

राष्ट्रपति ट्रंप ईरान पर हमले को तैयार, अंतिम निर्णय बाकी, अमेरिकी मीडिया का दावा

एजेंसी

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार रात ईरान पर हमले की योजना को मंजूरी दी है। उन्होंने इस बात पर अंतिम निर्णय नहीं लिया कि हमला किया जाए या नहीं। औपचारिक रूप से वह यह भी तय नहीं कर पाए हैं कि इजराइल के हवाई अभियान में शामिल हुआ जाए या नहीं। अमेरिका के सीबीएस न्यूज चैनल ने अपनी 18 जून को प्रसारित रिपोर्ट में यह दावा एक वरिष्ठ खुफिया सूत्र और रक्षा विभाग के अधिकारी के हवाले से किया है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया कि अगर तेहरान अपने परमाणु कार्यक्रम को छोड़ने पर सहमत हो जाता है तो अमेरिका हमला नहीं करेगा। यह बात ट्रंप ने हमले की योजना को मंजूरी देते हुए कही। चैनल के अनुसार, यह खबर

सबसे पहले द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने दी। व्हाइट हाउस ने इस पर टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। सीबीएस न्यूज के अनुसार, ट्रंप ईरान के फोर्डो भूमिगत यूरेनियम संवर्धन सुविधा पर अमेरिकी हमले पर विचार कर रहे थे। पिछले सप्ताह के अंत में ईरानी परमाणु और सैन्य ठिकानों पर बमबारी शुरू करने के बाद से इजराइल ने अभी तक फोर्डो पर हमला नहीं किया है। ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने ईरान पर हमला करने के बारे में अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है उन्होंने कहा, मैं अंतिम निर्णय समय से एक सेकंड पहले लेना पसंद करता हूं, क्योंकि चीजें बदलती रहती हैं, खासकर युद्ध के साथ। उन्होंने पहले कहा, मैं यह कर सकता हूं। मैं यह नहीं भी कर सकता। मेरा मतलब है, कोई नहीं जानता कि मैं क्या करने जा रहा हूं। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करने के लिए एक समझौते पर बातचीत करे। ईरान ने कहा कि वह दबाव में बातचीत नहीं करता है। उसने कहा कि वह किसी भी खतरे का जवाब धमकी से देगा। एक वरिष्ठ अमेरिकी खुफिया अधिकारी और मामले की जानकारी रखने वाले पेंटागन अधिकारी के अनुसार, यदि अमेरिका इजराइली अभियान में शामिल होता है तो ईरान ने मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों पर हमले के लिए मिसाइल और उपकरण तैयार किए हैं।

यूएस टुडे अखबार के अनुसार, पेंटागन के पास ईरान पर संभावित हमले के बाद की स्थिति संभालने के लिए कम से कम 40,000 सैनिक पहले से मध्य पूर्व में हैं। यह सैनिक इस समय बहरीन से लेकर सीरिया और बीच के स्थानों पर तैनात हैं।

भारतीय प्रधानमंत्री की ऐतिहासिक क्रोएशिया यात्रा, द्विपक्षीय संबंधों को मिली नई गति

एजेंसी

जाग्रेब। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जाग्रेब स्थित ऐतिहासिक बान्सकी द्वोरी महल में क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रज प्लेंकोविच से मुलाकात की। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की क्रोएशिया की पहली आधिकारिक यात्रा है, जिसने दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को नया आयाम दिया है।प्रधानमंत्री मोदी के क्रोएशिया पहुंचने पर प्रधानमंत्री प्लेंकोविच ने स्वयं एयरपोर्ट जाकर गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। इसके बाद भव्य औपचारिक स्वागत समारोह में प्रधानमंत्री मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, रक्षा, संस्कृति और शिक्षा जैसे विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को प्रगाढ़ करने पर गहन चर्चा की। इन्फ्रास्ट्रक्चर, पोर्ट्स, डिजिटलाइजेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), फार्मा, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में साझेदारी को सुदृढ़ करने की दिशा में सहमति बनी।प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की कुशल मानव संसाधन क्षमता का उल्लेख करते हुए गतिशीलता और कौशल विकास के क्षेत्र में संस्थागत सहयोग का सुझाव दिया। दोनों देशों ने इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर (आईएमईईसी) के तहत संपर्क बढ़ाने पर भी सहमति जताई। वार्ता में संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक संस्थानों में सुधार, जलवायु परिवर्तन और आतंकवाद जैसे विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ। भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग के लिए क्रोएशिया का आभार जताया।इस उच्चस्तरीय भेंट के दौरान चार महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों कृषि क्षेत्र में सहयोग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में शोध सहयोग, संस्कृति के क्षेत्र में साझेदारी और क्रोएशिया में हिंदी चेयर के नवीकरण पर हस्ताक्षर भी हुआ। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर क्रोएशिया में योग प्रेमियों को शुभकामनाएं दीं और दोनों देशों की सभ्यतागत साझेदारी को सराहा। उल्लेखनीय है कि भारत और क्रोएशिया के बीच कूटनीतिक संबंध 1992 में स्थापित हुए थे। इस ऐतिहासिक यात्रा से दोनों देशों के आपसी संबंधों में नई ऊर्जा और विश्वास का संचार हुआ है।

ईयू-यूएस व्यापार विवाद- जर्मन चांसलर मर्ज को जल्द समाधान की उम्मीद

एजेंसी

बर्लिन/ओटावा। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने उम्मीद जताई कि यूरोपीय संघ (ईयू) और अमेरिका के बीच जारी व्यापार विवाद का समाधान आने वाले कुछ दिनों में संभव हो सकता है। उन्होंने स्वीकार किया कि यह विवाद जर्मनी की व्यावसायिक प्रतिष्ठा और निवेश आकर्षण पर गंभीर असर÷ डाल रहा है।

कनाडा में चल रहे जी7 शिखर सम्मेलन से लौटने के बाद स्थानीय राज्यों (लैंडर) के मुख्यमंत्रियों से मुलाकात के दौरान मर्ज ने कहा, मैंने दोहराया कि अमेरिकी सरकार के साथ हम धीरे-धीरे समाधान की दिशा में बढ़ रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले कुछ दिनों में हम इसमें सफल होंगे। मर्ज ने यह भी जोड़ा कि सभी राज्य नेता इस बात पर सहमत हैं कि हमें यूरोपीय आयोग का समर्थन करना चाहिए और एक साझा मार्ग अपनाना होगा। उल्लेखनीय है कि ईयू और अमेरिका के बीच व्यापार, टैरिफ और तकनीकी मानकों को लेकर लंबे समय से मतभेद बने हुए हैं, जिनका असर विशेष रूप से जर्मन निर्यात उद्योग और विनिर्माण क्षेत्र पर पड़ रहा है।

ट्रंप ने की ईरान-इजराइल युद्ध की समीक्षा, इजराइल को अमेरिका के साथ आने की घड़ी का इंतजार

एजेंसी

वाशिंगटन/तेहरान/तेल अवीव। ईरान-इजराइल सैन्य टकराव आज सातवें दिन में प्रवेश कर गया। फिलहाल कोई शांति दूत इन दोनों को शांत नहीं करवा पा रहा। ईरान प्रतिशोध की आग में अब भी झुलस रहा है। इजराइल मोर्चे से पीछे हटता नहीं दिख रहा। उसे उम्मीद है कि अमेरिका जरूर उसके सैन्य अभियान में खुलकर शामिल होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में अपने सैन्य रणनीतिकारों के साथ इस युद्ध की समीक्षा की है। उन्होंने संकेत दिया है कि अमेरिका कभी भी इजराइल के साथ युद्ध में खड़ा हो सकता है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इंतजार कर रहे हैं कि वह घड़ी कब आएगी।

ईरान कर रहा अपनी आत्मरक्षा: अराघची

ईरान के प्रमुख अखबार तेहरान टाइम्स के अनुसार, विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक्स पोस्ट पर कहा कि ईरान अपनी आत्मरक्षा के लिए किसी भी स्तर पर जा सकता है। उन्होंने कहा कि तेहरान ने कभी भी परमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं की है और भविष्य में भी ऐसा नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि अब, पूरी दुनिया को यह जान लेना चाहिए कि ईरान केवल अपना बचाव कर रहा है। अराघची ने कहा कि ईरान ने अभी तक इजराइल में आम लोगों को निशाना नहीं बनाया है। तेल अवीव ने सबसे पहले हमलाकर तेहरान को ललकारा।ईरान की न्यूज एजेंसी मेहर के अनुसार, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उसने इजराइली रक्षा प्रणालियों को नष्ट कर दिया है। साथ ही कहा कि अब बसने वालों को आश्रयों में धीरे-धीरे मरने या फिलिस्तीन के कब्जे वाले क्षेत्रों से भागने के बीच चयन करना होगा। इजराइल के खिलाफ ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस ढ्ढढ्ढ के 12वें चरण को शुरू करने के बाद बयान में कॉर्प्स ने कहा कि उसने पूरे कब्जे वाले फिलिस्तीन में इजराइली रक्षा प्रणालियों को नष्ट करने में सफलता प्राप्त की है। इसी के साथ कब्जे वाले क्षेत्रों का हवाई क्षेत्र ईरानी मिसाइलों और ड्रोनों को गले लगाने के लिए खुल गया है। अमेरिकी चैनल सीएनएन के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया ने इजराइल से लोगों को निकालना शुरू किया। उसने मध्य पूर्व में सहायता के लिए लगभग 3,000 लोगों को पंजीकृत किया है। साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने ईरान से किसी भी परमाणु हथियार कार्यक्रम को रोकने के लिए अपना आह्वान दोहराया है। विदेशमंत्री पेनी वोंग ने गुरुवार को कैनबरा में संवाददाताओं से कहा कि ऑस्ट्रेलिया इजराइल से जमीन के रास्ते एक छोटे समूह को निकालने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। सीएनएन की खबर के अनुसार, इजराइल ने पश्चिमी ईरान के अराक और खोंडब के कुछ हिस्सों के निवासियों के लिए निकासी की चेतावनी जारी की है। इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने गुरुवार सुबह पश्चिमी ईरान के अराक और खोंडब में रहने वाले निवासियों को निकासी की चेतावनी जारी की। आईडीएफ के फारसी चैनल के बयान में कहा कि इस क्षेत्र के लोग जल्द से जल्द इलाके को खालीकर चले जाएं। बयान में कहा गया है कि यहां ईरान का परमाणु सुविधा केंद्र है। उस पर कभी भी हमला हो सकता है। सीएनएन की खबर के अनुसार, अमेरिका में इजराइल के राजदूत येचिएल लीटर ने कहा कि इजरायल को न केवल ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को खत्म करना चाहिए, बल्कि बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की उसकी क्षमता को भी खत्म करना चाहिए। कोम शहर के पास एक पहाड़ के नीचे दबे ईरान के फोर्डो परमाणु संवर्धन स्थल को नष्ट करने की इजराइल की क्षमता के बारे में पूछे जाने पर लीटर ने कहा, इसके लिए कई हमलों की आवश्यकता हो सकती है।

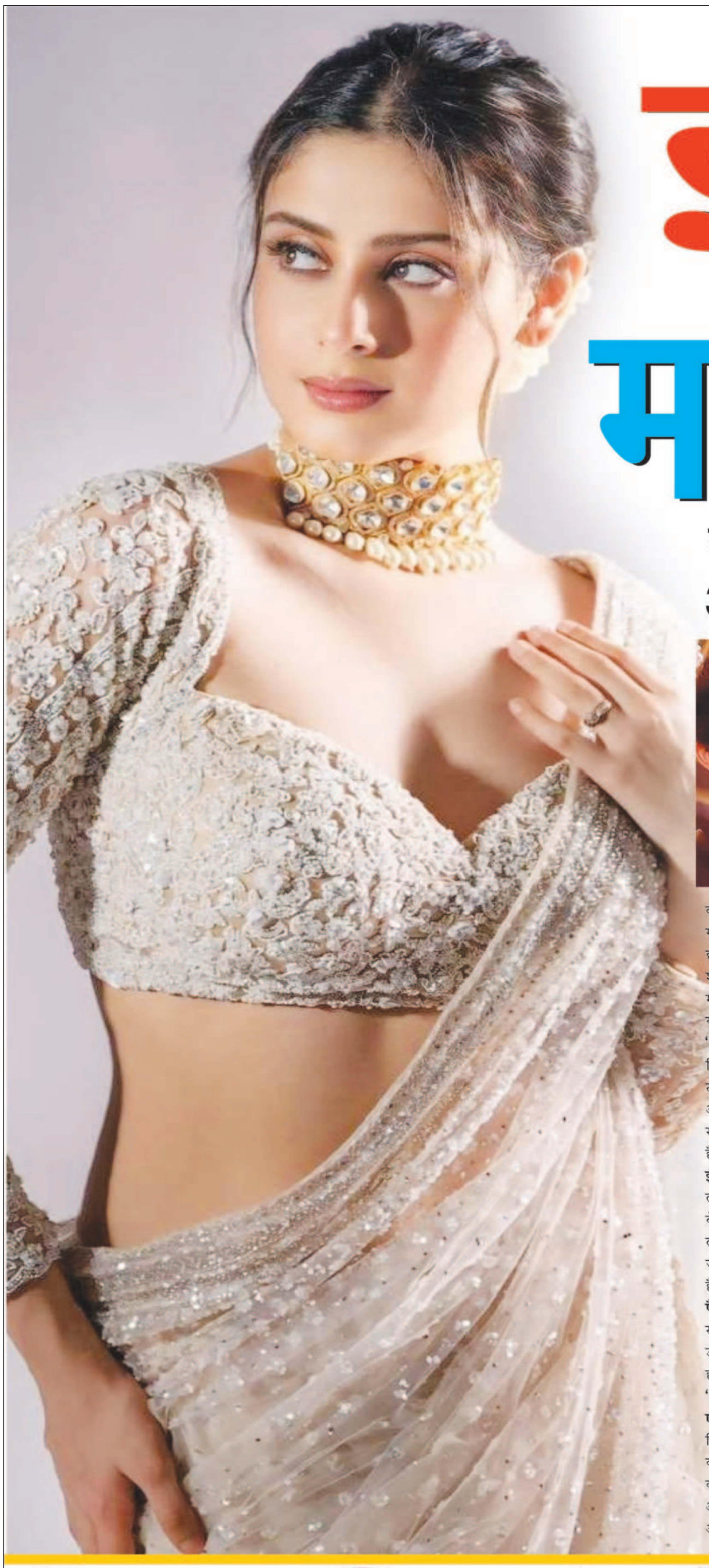

ईशा मालवीय

के सामने होंगे दोनों EX बॉयफ्रेंड अभिषेक-समर्थ, खूब होगा ड्रामा

कलर्स टीवी का फैमिली एंटरटेनमेंट शो 'लाफ्टर शेफ्स 2' अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया है. इस शो के सेमी-फिनाले और ग्रैंड फिनाले को शानदार बनाने में मेकर्स कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं. फिनाले के इस खास अवसर पर इंडस्ट्री के कई सेलिब्रिटीज इस शो में बतौर मेहमान शामिल होने वाले हैं. लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है ईशा मालवीय की. बिग बॉस फेम ईशा मालवीय कलर्स टीवी के इस कुकिंग रियलिटी शो में बतौर मेहमान शामिल होने वाली हैं और यहां उनका सामना उनके दो एक्स बॉयफ्रेंड अभिषेक कुमार और समर्थ जुरेल से होगा.

'लाफ्टर शेफ्स 2' को अलविदा करने के लिए शो के मंच पर देवोलीना भट्टाचार्जी, दिव्यांका त्रिपाठी, श्रद्धा आर्या और ईशा सिंह जैसी एक्ट्रेसेस के साथ-साथ ईशा मालवीय को भी कलर्स टीवी की तरफ से आमंत्रित किया गया है. ये पहली बार होगा जब 'बिग बॉस 17' के बाद ईशा अपने एक्स-बॉयफ्रेंड अभिषेक और समर्थ दोनों के साथ एक ही मंच पर नजर आएंगी. इन सभी सितारों ने मंगलवार को मुंबई के एक स्टूडियो में इस खास एपिसोड की शूटिंग भी कर ली है.

ईशा, अभिषेक और समर्थ का रीयूनियन

लाफ्टर शेफ्स के सेमी-फिनाले और ग्रैंड फिनाले में शामिल होने वाली सभी टीवी एक्ट्रेसेस को बेहद खूबसूरत एथनिक आउटफिट्स में देखा गया. उनकी एंट्री से ही सेट पर ग्लैमर का तड़का लग गया है. लेकिन फैंस को इस शो में नजर आने वाले असली ड्रामे का इंतजार है, क्योंकि जब-जब ईशा, अभिषेक और समर्थ एक-दूसरे के सामने आते हैं, कुछ न कुछ ड्रामा जरूर होता है.

फैंस हैं एक्साइटेड

सलमान खान के 'बिग बॉस 17' में इन तीनों के बीच हुए ड्रामे को पूरे देश ने देखा था. और अब उन्हें 'लाफ्टर शेफ्स' के मजेदार माहौल में फिर से देखना दर्शकों के लिए एक खास अनुभव होगा. सभी ये जानने के लिए बेहद उत्सुक हैं कि कुकिंग और कॉमेडी के इस माहौल में ये 'एक्स-कपल्स' कैसे एक-दूसरे का सामना करते हैं.

एक साथ नजर आएंगे करण और तेजस्वी

दिव्यांका त्रिपाठी, ईशा के साथ टीवी की पॉपुलर जोड़ी तेजस्वी प्रकाश भी अपने बॉयफ्रेंड करण कुंद्रा का साथ देने लाफ्टर शेफ फिनाले में एंट्री करेंगी. इस बार ये दोनों केक बेक करने की कोशिश करते हुए नजर आएंगे. जन्नत जुबैर, भारती सिंह, राहुल वैद्य, एल्विश यादव, कृष्णा अभिषेक का ये शो जल्द ही टीवी से विदा लेगा और हिना खान, गुरमीत चौधरी का पति-पत्नी और पंगा इस शो को रिप्लेस करेगा.

शिवांगी जोशी

के शो में रवि दुबे-सरगुन मेहता की एंट्री? जानें क्या है पूरा सच

छोटे पर्दे की दुनिया में रवि दुबे और सरगुन मेहता का नया वीडियो खूब वायरल हो रहा है. इस वीडियो में दोनों को सोनी टीवी के नए शो 'बड़े अच्छे लगते हैं' के बारे में बात करते हुए देख फैंस ने ये सोच लिया कि उनका ये पसंदीदा कपल शिवजी जोशी के शो में एंट्री कर रहा है. ये खबर सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही है.

लेकिन क्या सच में रवि और सरगुन, शिवांगी जोशी और हर्षद चोपड़ा के 'बड़े अच्छे लगते हैं' के सीजन 3 में एंट्री करने जा रहे हैं? आइए जान लेते हैं.

वीडियो में रवि भाग्यश्री की आंखों की तारीफ करते हुए नजर आ रहे हैं. भाग्यश्री और कोई नहीं बल्कि 'बड़े अच्छे लगते हैं 3' की शिवजी जोशी हैं. उन्हें भाग्यश्री की तारीफ करते हुए देख सरगुन भी ऋषभ (हर्षद चोपड़ा) की बॉडी और आंखों की तारीफ करने लग जाती हैं. दोनों साथ मिलकर ऑडियंस से अपील भी करते हुए नजर आते हैं कि वो ये शो जरूर देखें. रवि और सरगुन लंबे समय से टीवी से दूर हैं. यही वजह है कि उन्हें इस तरह से एक शो को प्रमोट करते हुए देख उनके फैंस ये मान बैठें कि उनका पसंदीदा कपल टीवी पर लौट आया है.

क्या है असल सच्चाई ?

दरअसल रवि और सरगुन सिर्फ सोशल मीडिया पर 'बड़े अच्छे लगते हैं 3' को प्रोमोट कर रहे हैं. लेकिन वो शो में एंट्री नहीं कर रहे हैं और न ही वो 'बड़े अच्छे लगते हैं 3 का हिस्सा बनने वाले हैं. इन दोनों से बड़े अच्छे लगते हैं 3' की तारीफ कराना चैनल का एक मार्केटिंग और प्रमोशनल मूव था. फिलहाल, रवि दुबे और सरगुन मेहता का पूरा ध्यान अपने प्रोडक्शन हाउस पर है, जिसके तहत वो कई सफल शोज बना चुके हैं.

दुनिया छोड़ चुके हैं 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के ये 7 सितारे, सीजन 2 में नहीं देख पाएंगे फैंस

टीवी का मशहूर सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' अपने दूसरे सीजन के साथ टीवी पर वापसी करने के लिए तैयार है. एकता कपूर के इस आइकॉनिक शो में फिर एक बार स्मृति ईरानी अहम भूमिका में नजरआने वाली हैं. 8 साल तक चले इस सीरियल ने कई कलाकारों को घर-घर पहचान दिलाई. लेकिन 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के फैंस की कुछ पुराने सितारों को फिर एक बार इस शो में देखने की इच्छा अधूरी रह जाएगी, क्योंकि उन्होंने इस दुनिया को ही अलविदा कह दिया है.

1. सुधा शिवपुरी (बा)

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में 'बा' का किरदार निभाने वालीं सुधा शिवपुरी ने दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई थी. उनका किरदार परिवार की उस मजबूत और समझदार दादी का था, जिसने हर मुश्किल में पूरे परिवार को एक धागे में पिरोकर रखा था. 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के खत्म होने के लगभग 7 साल बाद, 2015 में सुधा शिवपुरी का निधन हो गया था. उनकी शांत लेकिन प्रभावशाली उपस्थिति की कमी नए सीजन में दर्शकों को सबसे ज्यादा महसूस होगी. 'बा' के बिना विराणी परिवार की कल्पना करना भी मुश्किल है.

2. विकास सेठी (अबीर)

एक्टर विकास सेठी ने सीरियल में तुलसी (स्मृति ईरानी) के पोते अबीर का किरदार निभाया था. उनके किरदार को भी काफी पसंद किया गया था. दुखद बात यह है कि 8 सितंबर 2024 को, 48 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से विकास का निधन हो गया. उन्हें अबीर के रूप में उन्हें दोबारा देखने का सपना अधूरा ही रह जाएगा.

3. अबीर गोस्वामी (रणजीत)

सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में एक्टर अबीर गोस्वामी ने 'रणजीत' का किरदार निभाया था. साल 2013 में, दिल का दौरा पड़ने (कार्डियक अरेस्ट) की वजह से उनका निधन हो गया था. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उस समय अबीर ट्रेडमिल पर दौड़ रहे थे जब उन्हें यह अचानक झटका लगा. उनके जाने से इंडस्ट्री ने एक और प्रतिभाशाली कलाकार खो दिया.

4. इंद्र कुमार (मिहिर वीरानी)

'मासूम' और 'वॉन्टेड' जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग का कमाल दिखा चुके एक्टर इंद्र कुमार ने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में मिहिर वीरानी के किरदार के लिए अमर उपाध्याय को रिप्लेस किया था. ये सीरियल इंद्र कुमार का टीवी डेब्यू था, जिसने उन्हें घर-घर पहचान दिलाई. इंद्र कुमार का निधन भी जुलाई 2017 में कार्डियक अरेस्ट से हुआ था. उनके जाने से भी फैंस के बीच उदासी छा गई थी.

रिलीज से 1 महीने पहले 'तन्वी द ग्रेट' के मेकर्स ने किया ये काम, देखकर खुश हो जाएंगे फैंस

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अनुपम खेर अपनी नई फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं. ये फिल्म अनुपम खेर के लिए दोहरी जिम्मेदारी है. तन्वी द ग्रेट उनके लिए इसलिए भी खास है, क्योंकि उन्होंने इसमें एक्टिंग करने के अलावा इसके डायरेक्शन की बागडोर भी संभाली है. पिक्चर अब अपनी रिलीज से सिर्फ एक महीने दूर है. इससे पहले मेकर्स ने दर्शकों को एक बड़ा तोहफा दिया है.

तन्वी द ग्रेट से मेकर्स ने अब तक कई पोस्टर शेयर किए हैं. अब फिल्म की रिलीज से ठीक एक महीने पहले इसका एक और पोस्टर सामने आया है, जिसमें पूरी कास्ट एक साथ नजर आ रही है. इसे देखते ही फैंस फिल्म के लिए और एक्साइटेड हो गए हैं. अनुपम खेर ने इसे अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है.

'तन्वी द ग्रेट' का नया पोस्टर जारी

अनुपम खेर ने बुधवार, 18 जून को अपने इंस्टाग्राम हैंडल से फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया है. इसमें फिल्म की पूरी कास्ट आप देख सकते हैं और खुद अनुपम भी इसमें दिखाई दे रहे हैं. उन्होंने पोस्टर जारी करते हुए लिखा, ये पोस्टर सिर्फ सितारों का कोलाज नहीं, बल्कि उससे कहीं बढ़कर है. ये कहानियों का एक कैनवास है, जो एक युवा लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है जो लेबल, सीमाओं और महानता की हर आसान परिभाषा को चुनौती देती है. एक ऐसी दुनिया में जो उसे एक बॉक्स में फिट करने की कोशिश करती है, वो सीमाओं से बाहर रंग भरने की हिम्मत करती है.

कब रिलीज होगी फिल्म ?

तन्वी द ग्रेट की रिलीज डेट से अनुपम खेर पहले ही पर्दा उठा चुके हैं और उन्होंने नए पोस्टर के साथ भी रिलीज की जानकारी शेयर की है. अभिनेता ने पोस्टर में आगे लिखा, तन्वी द ग्रेट 18 जुलाई को अपनी रिलीज के करीब पहुंच गई है. सिर्फ एक महीना बाकी है.

तन्वी द ग्रेट की कास्ट

तन्वी द ग्रेट में शुभांगी अहम रोल में हैं. पूरी कहानी उनके ही इर्द-गिर्द घूमती हुई नजर आएगी. फिल्म में अनुपम खेर के अलावा जैकी श्रॉफ, अरविंद स्वामी, बोमन ईरानी, पल्लवी जोशी, नासर, करण ठक्कर और इयान ग्लेन भी मुख्य भूमिकाओं में हैं. अनुपम खेर इसके प्रोड्यूसर भी हैं और इसमें म्यूजिक दिया है एमएम कीरवानी ने.

रक्षा मंत्री ने उधमपुर में 'बड़ाखाना' की परंपरा निभाते हुए जवानों के साथ भोजन किया

नई दिल्ली/एजेंसी
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को उधमपुर में 'बड़ाखाना' की परंपरा निभाते हुए सशस्त्र बल के जवानों के साथ भोजन किया। वह शनिवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर उधमपुर में सैनिकों के साथ योग करेंगे। उन्होंने यह कहकर जवानों का हौसला बढ़ाया कि जिस तरह से आप लोगों ने सीमापार स्थित आतंकियों के अड्डों को तबाह किया, उसने सिर्फ आतंकियों को नहीं, बल्कि उनके सरपरस्तों को भी यह संदेश दे दिया है कि यह नया भारत है, जो आतंक के किसी भी स्वरूप का जोरदार प्रतिकार करेगा। ऑपरेशन 'सिंदूर' सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि सीमापार बैठे आतंकियों और उनसे भी ज्यादा उनके पालने वालों को चेतावनी थी। रक्षा मंत्री अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सैनिकों के साथ योग करने के लिए आज शाम दिल्ली से उधमपुर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि बड़ाखाना की परंपरा कई दशकों से सशस्त्र बलों का अभिन्न अंग है। यह महज एक साथ बैठकर भोजन करने का ही एक आयोजन नहीं, बल्कि यह एक ऐसा क्षण होता है, जहां रैंक और पद, सब पीछे छूट जाते हैं और आगे आता है सिर्फ एक भाव कि हम सब एक हैं। आज का यह बड़ाखाना एकता का उत्सव है। युद्ध हो या शांति, सरहद हो या छावनी, हर परिस्थिति में सेना ने 'बड़ाखाना' की इस परंपरा को सहेजा है।

बिहार की प्रगति में ब्रेक लगाने वालों से सतर्क रहें: पीएम मोदी

'बिहार विकास की रफ्तार पकड़ चुका है और इसे बनाए रखने के लिए जनता को सतर्क रहना होगा'

सीवान/एजेंसी
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार के सीवान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की प्रगति और केंद्र सरकार की योजनाओं का लेखा-जोखा पेश करने के साथ ही विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार अब विकास की रफ्तार पकड़ चुका है और इसे बनाए रखने के लिए जनता को सतर्क रहना होगा। प्रधानमंत्री ने पुराने दौर के "जंगलराज" की याद दिलाते हुए कहा, "जो लोग कभी जंगलराज लाए थे, वे फिर से अपने पुराने कारनामों को दोहराने के लिए मौके की तलाश में हैं। वे बिहार के आर्थिक संसाधनों पर कब्जा जमाना चाहते हैं। इसके लिए हर संभव हथकंडे अपना रहे हैं।" प्रधानमंत्री ने राजद और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए जनता से अपील की कि वे ऐसे तत्वों को पहचानें और उन्हें बिहार की समृद्धि की यात्रा में ब्रेक लगाने से रोकें।

उन्होंने कहा, "पंजा और लालटेन वालों ने मिलकर बिहार के गौरव को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने इतनी लूट-खसोट मचाई कि गरीबी बिहार की पहचान बन गई थी, लेकिन अब बिहार बदल रहा है और इसकी तस्वीर बदलने में एनडीए सरकार की बड़ी भूमिका है।" प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि वह हाल ही में विदेश यात्रा से लौटे हैं, जहां भारत की तेज प्रगति की वैश्विक स्तर पर सराहना की जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की ओर बढ़ रहा है और इसमें बिहार की बड़ी भूमिका होगी। इस दौरान उन्होंने सीवान से बिहार के लिए कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।
उन्होंने बताया कि बीते दस वर्षों में राज्य में 55 हजार किमी ग्रामीण सड़कों का निर्माण हुआ है, 1.5 करोड़ घरों को बिजली और पानी से जोड़ा गया है और 45 हजार से अधिक कॉमन सर्विस सेंटर बनाए गए हैं। मोदी ने कहा कि बीते एक दशक में देशभर में 25 करोड़ लोगों ने गरीबी को मात दी है, जिसमें बिहार की भूमिका अहम रही है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में जो विकास हुआ है, उसकी मिसाल आज देश ही नहीं, विश्व भी दे रहा है। प्रधानमंत्री ने बिहारवासियों को यह भरोसा दिलाया कि उनका प्रयास अभी थमा नहीं है। उन्होंने कहा, मैं चुप बैठने वालों में से नहीं हूं। बिहार के लिए और भी बहुत कुछ करना है।

मोदी ने बिहार को दी 5,918 करोड़ की सौगात

पटना/सीवान
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार में सीवान जिले के जसौली में राज्य को 5,900 करोड़ रुपए से अधिक की सौगात दी। इसमें आवास, शहरी विकास, जल शक्ति, विद्युत और रेल से जुड़ी 28 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने 22 नगर विकास की परियोजनाओं, 6 सड़क परियोजनाओं और एक रेल परियोजना का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया, जिसकी कुल लागत 5,918 हजार करोड़ रुपये है। इसके साथ ही पीएम आवास योजना के तहत 53,666 बेघर लोगों को पहली किस्त दी गई। इन परियोजनाओं का मकसद बिहार के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार के कई शहरों में 5,900 करोड़ रुपये की लागत से नमामि गंगे परियोजना के तहत सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और जलापूर्ति प्रोजेक्ट्स की शुरूआत की।

अल्पसंख्यकों को मकान' में 15% कोटा सरकार का पुराना फैसला: कर्नाटक

बंगलूरू /एजेंसी
कर्नाटक सरकार की तरफ से राज्य की मकान योजनाओं में अल्पसंख्यक समुदायों के लिए आरक्षण को 10% से बढ़ाकर 15% किए जाने के फैसले पर सियासत गरमा गई है। राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमीर अहमद खान ने सफाई दी कि यह कोई नया फैसला नहीं है, बल्कि 2019 में कांग्रेस-जेडीएस सरकार के समय बनी कैबिनेट सब-कमेटी की सिफारिशों पर आधारित है। वहीं, भाजपा ने इस फैसले को संविधान विरोधी और मुस्लिम तुष्टिकरण करार दिया है।

सरकार का पक्ष: पुराना प्रस्ताव, केंद्र की तर्ज पर लागू किया गया

मंत्री जमीर खान ने बताया कि केंद्र सरकार पहले से ही सच्चर कमेटी रिपोर्ट के आधार पर अल्पसंख्यकों को मकान योजनाओं में 15% आरक्षण देती रही है। उसी मॉडल को अब कर्नाटक सरकार ने राज्य में लागू किया है। मंत्री जमीर खान ने कहा, '2019 में गठित कैबिनेट उप-समिति ने यह सिफारिश की थी। अब उस प्रस्ताव को कैबिनेट ने पास कर दिया है'। उन्होंने यह भी कहा कि 2021 में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग ने भी 15% आरक्षण लागू करने की सिफारिश की थी। मंत्री के अनुसार, अल्पसंख्यक समुदाय में बड़ी संख्या में गरीब परिवार हैं जिन्हें रहने के लिए पक्के घर तक नहीं हैं। इसलिए यह फैसला लंबे समय से मांग में था।

सहकारिता भारत का जीवन-दर्शन है, सिर्फ आर्थिक मॉडल नहीं: अमित शाह

नई दिल्ली/एजेंसी
'अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025' के उपलक्ष्य में मुंबई में शुक्रवार को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि सहकारिता भारत के लिए केवल आर्थिक मॉडल नहीं, बल्कि पारंपरिक जीवन दर्शन है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष को लैंडमार्क वर्ष बनाकर सहकारिता आंदोलन को हर गांव, तहसील और जिले तक पहुंचाया जाएगा। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

डबल इंजन सरकार महाराष्ट्र को दे रही नई ऊर्जा': अमित शाह

मुंबई/एजेंसी
केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को मुंबई में महाराष्ट्र चेंबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर (एमएसीसीआईए) के नवनिर्मित मुख्यालय भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित राज्यस्तरीय सहकारी औद्योगिक सम्मेलन को भी उन्होंने संबोधित किया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अपने संबोधन में शाह ने कहा कि आज भारत एक वैश्विक अर्थव्यवस्था बन चुका है और देश के उद्योग, वाणिज्य और कृषि क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में टीम भारत की अवधारणा के तहत केन्द्र और राज्य मिलकर विकास को गति दे रहे हैं। इसी कारण देश तेजी से आगे बढ़ रहा है।

शाह ने कहा कि शताब्दी वर्ष आत्मगौरव के साथ-साथ आत्ममंथन का अवसर भी है। शाह ने उद्योगपति सेठ वालचंद के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने न केवल उद्योग जगत में योगदान दिया, बल्कि देश की जरूरतों को समझते हुए दूरदर्शिता से कार्य किया।

बैंक धोखाधड़ी मामले में रतुल पुरी और बहन नीता पुरी बरी

नई दिल्ली/एजेंसी
दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के भांजे रातुल पुरी और बहन नीता पुरी को 1100 करोड़ से ज्यादा के घोटालों से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में बरी कर दिया है। चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट दीपक कुमार ने दोनों के अलावा मोजर बेयर फर्म को भी बरी करने का आदेश दिया। इस मामले में सीबीआई ने 2019 में मोजर बेयर इंडिया लिमिटेड के खिलाफ और 2020 में मोजर बेयर सोलर लिमिटेड के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

पुलिस ने मजूमदार और लंदन में ममता से सवाल पूछने वाले डॉक्टर को हिरासत में लिया, खड़ा हुआ सियासी विवाद

कोलकाता/एजेंसी
दक्षिण कोलकाता के भवानीपुर इलाके में शुक्रवार शाम उस वक्त तनाव फैल गया, जब पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और लंदन में रहने वाले डॉक्टर रजतशुभ्र बंद्योपाध्याय को पुलिस ने सड़क पर बातचीत के बाद हिरासत में ले लिया। इस घटना से सियासी विवाद खड़ा हो गया। मजूमदार पश्चिमबंगा दिबस (पश्चिम बंगाल दिवस) मनाने के लिए मोटरसाइकिल से भवानीपुर पहुंचे थे। उन्होंने सबसे पहले श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और फिर डॉक्टर बंद्योपाध्याय

से मिलने हरीश मुखर्जी रोड स्थित उनके घर की ओर रवाना हुए। जब उनका काफिला उस इलाके में पहुंचा, तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया और कहा कि डॉक्टर घर पर नहीं हैं। लेकिन थोड़ी ही देर बाद भाजपा ने एक वीडियो जारी किया, जिसमें डॉक्टर अपने घर में मौजूद दिखे। इस पर आसपास जमा पार्टी कार्यकर्ता भड़क उठे। फिर भाजपा समर्थकों और पुलिस के बीच जमकर बहस हुई। कार्यकताओं का आरोप था कि सरकार राजनीतिक प्रतीकों को भी बर्दाश्त नहीं कर रही और पुलिस को हथियार बनाकर इस्तेमाल कर रही है। डॉक्टर बंद्योपाध्याय अपने घर से बाहर आए और सड़क पर मजूमदार से मुलाकात की। डॉक्टर रजतशुभ्र ही में लंदन के केलॉग कॉलेज में मुख्यमंत्री ममता के कार्यक्रम में सवाल पूछकर चर्चा में आए थे।

मिजोरम: आईआरसी की 233वीं मध्यावधि परिषद की बैठक, रिजिड पेवमेंट टेक्नोलॉजी का हो इस्तेमाल: सीएम

मिजोरम /एजेंसी
मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सड़क संपर्क की मांग तेजी से बढ़ रही है। समुदाय अब सड़कों को विकास की पहली आवश्यकता मानते हैं। उन्होंने मिजोरम की पहाड़ी भौगोलिक स्थिति और अत्यधिक वर्षा को ध्यान में रखते हुए सुझाव दिया कि राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में रिजिड पेवमेंट टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाए, क्योंकि यह तकनीक शुरू में भले ही महंगी हो, लेकिन लंबे समय तक टिकाऊ रहती है और रखरखाव में भी सस्ती होती है। यह बात उन्होंने यहां मिजोरम विश्वविद्यालय के

सभागार में भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) की 233वीं मध्यावधि परिषद बैठक के उद्घाटन के बाद कही। लालदुहोमा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग और कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

राज्य में है एक हवाई अड्डा और एक रेल लाइन

मुख्यमंत्री ने अपने उद्घाटन भाषण में मिजोरम में सड़क ढांचे की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि राज्य में वर्तमान में केवल एक हवाई अड्डा और एक रेलवे लाइन है, जबकि सड़क घनत्व मात्र 46.37 किमी प्रति 100 वर्ग किमी है, जो कि राष्ट्रीय औसत 116 किमी प्रति 100 वर्ग किमी से काफी कम है। यह अंतर राज्य में बुनियादी ढांचे की गंभीर कमी को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने मिजोरम की अंतरराष्ट्रीय सीमा को ध्यान में रखते हुए यह प्रस्ताव भी रखा कि राज्य के राष्ट्रीय राजमार्गों को रणनीतिक के रूप में माना जाए।

'भाजपा-संघ में अपराधी प्रवृति के लोग: गोगोई

गुवाहाटी/एजेंसी
असम कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने शुक्रवार को भाजपा, आरएसएस, वीएचपी और बजरंग दल पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन संगठनों में कुछ आपराधिक सोच वाले लोग हैं जो चुनाव से पहले जानबूझकर सांप्रदायिक तनाव फैलाने की कोशिश करते हैं, ताकि सरकार की नाकामियों से लोगों का ध्यान भटकाया जा सके।
गौरव गोगोई ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की राजनीति की

तुलना मोहम्मद अली जिन्ना से करते हुए कहा, 'मुख्यमंत्री असमिया जिन्ना जैसा व्यवहार कर रहे हैं। कांग्रेस ऐसी जिन्ना टाइप की राजनीति को असम में सफल नहीं होने देगी।'
इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में गौरव गोगोई ने मांग की कि राज्य में सार्वजनिक स्थानों और धार्मिक स्थलों पर बीफ और गाय के अवशेष रखने की घटनाओं की गहराई से जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'जिन्हें पकड़ा गया है, उन पर तो कार्रवाई हो ही, लेकिन जिन लोगों ने उन्हें ऐसा करने की सलाह दी, उनके खिलाफ भी जांच होनी चाहिए।' इस दौरान गौरव गोगोई ने यह भी साफ किया कि उनके प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद कुछ लोगों द्वारा ऐसे काम करने की बात पूरी तरह गलत है। उन्होंने इसे विरोधियों की चाल बताया और कहा कि यह चुनाव से पहले मुद्दा भटकाने की रणनीति है।

जीएसटी पंजीयन, शिकायत निवारण को सरल बनाए सीबीआईसी: वित्त मंत्री

नई दिल्ली/एजेंसी
केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) पंजीयन और शिकायत निवारण प्रक्रिया को सरल बनाने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने सीमा शुल्क और सीजीएसटी मामलों की जांच तेजी से पूरा करने, कर चोरी और गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) दावों की रोकथाम के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश भी दिया।

इस साल के अंत तक बैटरी चलित ई बसों की संख्या बढ़ाकर 5000 कर दी जाए

छह महीने में 5000 ई बसें चलाएगी सरकार, वायु प्रदूषण पर वार की तैयारी

नई दिल्ली/एजेंसी
दिल्ली सरकार राजधानी की सड़कों पर ई बसों की संख्या बढ़ाकर वायु प्रदूषण को कम करने की योजना पर काम कर रही है। सरकार की योजना है कि इस साल के अंत तक बैटरी चलित ई बसों की संख्या बढ़ाकर 5000 कर दी जाए। इससे लोगों को आवागमन के लिए सस्ता-सुलभ साधन उपलब्ध होगा, साथ ही इससे वायु प्रदूषण से निपटने में भी मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देवी बसों की एक खेप को हरी झंडी दिखाकर रवाना कर चुके हैं। इस महीने 150 नई ई बसों को सड़कों पर उतारने की योजना है। एक नई पहल के अंतर्गत दिल्ली के उन गैर परंपरागत रूट्स पर भी ई बसें चलाई जा रही हैं जहां से अब तक डीटीसी बसों का संचालन नहीं होता था। जनता

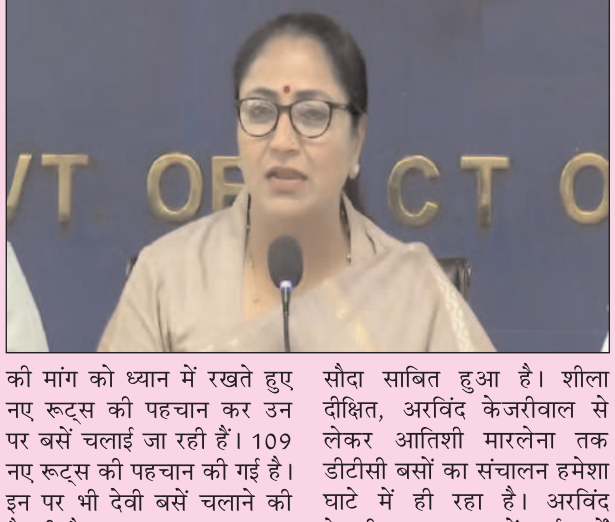

की मांग को ध्यान में रखते हुए नए रूट्स की पहचान कर उन पर बसें चलाई जा रही हैं। 109 नए रूट्स की पहचान की गई है। इन पर भी देवी बसें चलाने की तैयारी है।

डीटीसी को घाटे से उबारने की चुनौती

डीटीसी बसों का संचालन दिल्ली सरकार के लिए हमेशा से महंगा सौदा साबित हुआ है। शीला दीक्षित, अरविंद केजरीवाल से लेकर आतिशी मारलेना तक डीटीसी बसों का संचालन हमेशा घाटे में ही रहा है। अरविंद केजरीवाल सरकार में कई वर्गों को मुफ्त आवागमन की सुविधा देने से यह घाटा और अधिक बढ़ता गया। लेकिन अब दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार इसे लाभ में लाने की रणनीति बनाकर आगे बढ़ रही है। सरकार मुफ्त संचालन की सुविधा जरूरतमंद वर्गों को देना जारी रखेगी। इसके लिए महिलाओं-बुजुर्गों को विशेष कार्ड दिए जाने की तैयारी है। लेकिन घाटे को पूरा करने के लिए डीटीसी बसों पर निजी संस्थानों-कंपनियों के प्रचार के माध्यम से पैसा उगाहने की तैयारी है। सरकार का मानना है कि इस तरह के व्यावसायिक दृष्टिकोण को अपनाकर डीटीसी को घाटे से उबारा जा सकता है। ज्यादा पैसा कमाने के लिए डीटीसी बसों की पार्किंग, टर्मिनल के खुले और बड़े स्थानों का भी व्यावसायिक उपयोग किये जा की योजना पर विचार चल रहा है। कुछ स्थानों पर छोटे शॉपिंग कॉम्प्लेक्स विकसित कर उनसे पैसा कमाने की योजना पर भी विचार किया जा रहा था। दिल्ली सरकार ने एक वर्ष के

Action TESA ने नथुपुरा बुराड़ी में आयोजित की कॉन्ट्रैक्टर मीटिंग, 'TESA सलाम' के जरिए कारपेंटर्स को दिया सम्मान

दिव्य दिल्ली : Action TESA द्वारा नथुपुरा बुराड़ी स्थित सूर्य प्राइम बैंक्वेट हॉल में एक विशेष कॉन्ट्रैक्टर मीटिंग का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कारपेंटर्स और व्यापार प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम की शुरूआत 'TESA सलाम' से की गई, जो कारपेंटर्स के प्रति सम्मान और आभार प्रकट करने की कंपनी की अनूठी पहल है। भारत में 'कारपेंटर्स डे' मनाने की शुरूआत भी Action TESA ने ही की 2010 में स्थापित, Action TESA ने बेहद कम समय में भारतीय बाजार में अपनी खास पहचान बना ली है। कंपनी के उत्पाद–विशेषकर Boilo, MDF और HDHMR बोर्ड्स–देशभर में ग्राहकों की पहली पसंद बन चुके हैं। ये सभी बोर्ड्स वॉटरप्रूफ, टिकाऊ और लॉन्ग-लास्टिंग हैं। इस मीटिंग के दौरान कारपेंटर्स से इन उत्पादों के प्रति उनकी राय भी जानी गई, जिसे सभी ने बेहतरीन करार दिया। Action TESA आज 10 से अधिक हाई-क्वालिटी फर्नीचर बोर्ड्स का निर्माण करती है और इंडस्ट्री में सबसे विश्वसनीय और मजबूत प्रोडक्ट्स देने का दावा करती है।इस कार्यक्रम के माध्यम से कंपनी ने न केवल अपने प्रोडक्ट्स की विशेषताओं को उजागर किया, बल्कि कारपेंटर्स के साथ अपने संबंधों को और अधिक मजबूत करने का संकल्प भी दोहराया।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397